पंद्रह रुपए

वर्ष : ३, अंक : ३३
१४ अक्टूबर, २०२३

RNI-UPHIN/2021/79954

खुले दिमाग़ के खुले विचार

ओपन डोर

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार-पत्र

चीन की धरती पर तिरंगे की महक

हिंदी साहित्य की नई विधा **फायकू** विशेषांक

ओपन डोर प्रकाशन की खास प्रस्तुति

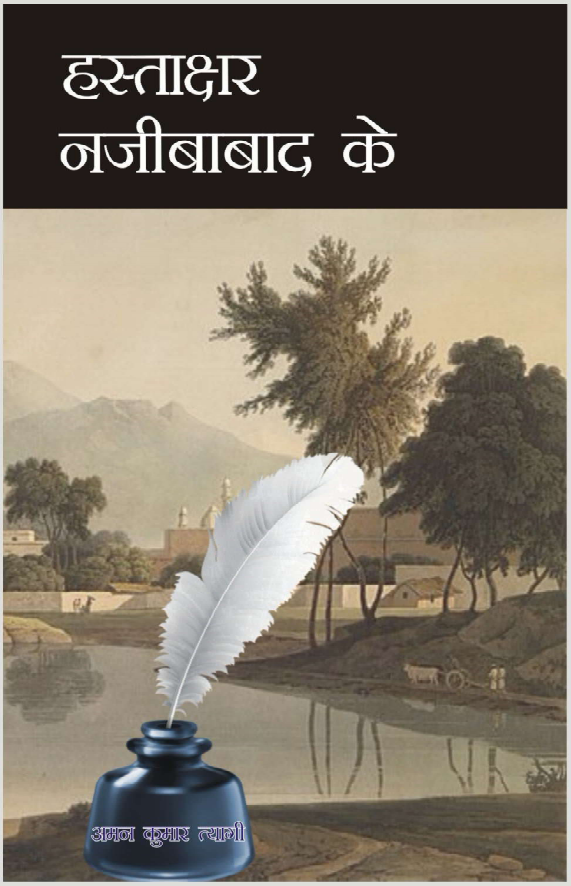

आपकी किताब आपके द्वार...

प्रकाशन

ओपन डोर

नजीबाबाद

RNI-UPHIN/2021/79954 MSME-UDYAM-UP-17-0002703

पंद्रह रुपए

खुले दिमाग के खुले विचार

ओपन डोर

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार-पत्र

वर्ष : ३, अंक : ३३, १४ अक्टूबर, २०२३

संपादक
अमन कुमार
प्रबंध संपादक
सौरभ भारद्वाज

प्रतिनिधि
डॉ. सुशील कुमार त्यागी 'अमित' (हरिद्वार)
उपेन्द्र सिंह (दिल्ली)
अर्चना राज चौबे (नागपुर)
निधि मिथिल (सतारा)
अतुल शर्मा (मेरठ)

कार्यालय प्रमुख
तन्मय त्यागी

संपादकीय कार्यालय
साई एंक्लेव, निकट धनौरा देवता,
नजीबाबाद २४६७६३ बिजनौर (उप्र)

सदस्यता प्राप्त करें
एक साल : १००० रुपए, दो साल : १६०० रुपए
पांच साल : ४८०० रुपए
अंक की हार्ड कॉपी न मिल पाने की दशा में पीडीएफ मिलेगी

भुगतान करें
Ac. Name - OPEN DOOR
Bank- INDIAN OVERSEAS BANK
Branch- NAJIBABAD
AC- 368602000000245
IFSC- IOBA0003686
PAN-AABAO7251R

वैधानिक-समाचार-पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी लेख/समाचार/ कविता/ कहानी/विज्ञापन आदि के लिये लेखक स्वयं जिम्मेदार होगा। विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र नजीबाबाद होगा। सभी पद अवैतनिक हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमन कुमार द्वारा आशीष प्रिंटर्स, मोहल्ला मकबरा, नजीबाबाद से मुद्रित तथा ए-७, आदर्श नगर, तातारपुर लालू, नजीबाबाद-२४६७६३ ज़िला बिजनौर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-अमन कुमार
मोबाईल नं. 9897742814
E-Mail- opendoornbd@gmail.com
RNI-UPHIN/2021/79954

संपादकीय

अविनाश वाचस्पति जी को समर्पित यह अंक

अविनाश वाचस्पति ने ३ फरवरी २०१३ को ताज महोत्सव आगरा में कहा था- 'फायकू' साहित्य की विधा (विशेष धारा) है। जिस प्रकार साहित्य में काव्य, कहानी, नाटक, उपन्यास, एकांकी, व्यंग्य इत्यादि का आविर्भाव हुआ है, उसी प्रकार फायकू विधा है। इसकी सहज व सरल अभिव्यक्ति सब पाठकों को रचनात्मकता के अवसर प्रदान कर रही है। यह इतनी सरल विधा है और इस तेजी से विकसित हुई है कि आप भी इसे आजमा सकते हैं। चाहे आप सिर्फ पाठक हैं, फेसबुक पर यह खूब प्रचारित और प्रसारित तथा पसंद की जा रही है। इसे सीखने और लिखने की रचनात्मक और सकारात्मक कोशिशें न्यू मीडिया और सोशल मीडिया पर दिखाई दे रही हैं। यह विधा निश्चित तौर पर रचनात्मकता के संसार में एक नई क्रांति लाएगी। अपनी भावनाओं को सच्चाई के साथ जितने लघु स्वरूप में रचनाकार अपनी अभिव्यक्ति दे सकता है, वही विधा और रचनाकार सफलता के नए सोपान विकसित करता है। इसकी प्रथम पंक्ति में चार शब्द अनिवार्य हैं, जबकि दूसरी पंक्ति में तीन और अंतिम पंक्ति में मात्र दो। अंतिम पंक्ति के लिये दो शब्द 'तुम्हारे लिये।' फिक्स हैं। यह एक मिसाल है। इस अवसर पर उन्होंने कुछ फायकू सुनाए थे- 'बरसात में ओढ़ी छतरियों/पर शहर बसाए/तुम्हारे लिये।', 'मौसम बरफ हो रहा/बरफी हो जाये/तुम्हारे लिये।', 'खा लिये अखरोट बादाम/पूछ लूं दाम/ तुम्हारे लिये।', 'करतूतें महाबालिग की करूं/मैं नाबालिग हूं/तुम्हारे लिये।'

बाद में वाचस्पति जी बीमार रहने लगे। जिससे मुझे भी चिंता हुई। दिल्ली जाकर उनके आवास पर मिला, वास्तव में स्थिति गंभीर थी और फिर एक दिन यह यशस्वी रचनाकार हम सबको छोड़कर चला गया। उनके जाने को मैं अपनी व्यक्तिगत क्षति मानता हूं। उनके जाने के बाद फायकू का सफर बाधित हुआ। मुझे भी एक लंबा समय अवसाद में जीना पड़ा। ऐसी स्थिति में कर भी क्या सकते थे। बहन अर्चना राज, आशा पांडेय ओझा 'आशा', रश्मि अभय, सविता मिश्रा आदि सहित कई साहित्यकारों ने बड़ी तेजी से फायकू लिखे। यत्र-तत्र प्रकाशित भी हुए। एक लंबे अंतराल के बाद भाई डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' जी से चर्चा हुई तो उन्होंने भी इस विधा को अपनाने की बात कही और सौ फायकू पत्रिका के लिए लिखकर देने का वादा किया। यह बात अलग है कि यह अंक प्रकाशित होते-होते उन्होंने एशियन गेम से प्रेरित होकर एक सौ तीन फायकू और लिख डाले। अब यह अंक प्रकाशित होने के बाद पुस्तक प्रकाशित न होने का मलाल नहीं रहा। बहरहाल अभी फायकू का यह प्रारंभ है, सफर लंबा होने वाला है। बहुत सारी ऐसी बातें सामने आएंगी जिसे समीक्षक या आलोचकों की दृष्टि के सामने से गुजरने पर पता चलेगा। अभी तो फायकू के सजने और संवरने का समय है, सुधरने के लिए सदैव संभावना बनी रहती है। अविनाश वाचस्पति जी और उनकी स्मृति को प्रस्तुत अंक समर्पित करते हुए गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। प्रिय पाठकों और आलोचकों अब पत्रिका और फायकू आपके हाथ में है, कैसे लगे फायकू अवश्य बताएं।

अमन कुमार

नरगिस को शांति का नोबेल - स्त्री संघर्ष की स्वीकृति का जश्न

ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को 'ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष और सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की उनकी लड़ाई' के लिए नोबेल शांति पुरस्कार (२०२३) दिए जाने की घोषणा की गई है। गौरतलब है कि फिलहाल नरगिस ईरान में १६ साल की जेल की सजा काट रही हैं। वे उस मुल्क के मानवाधिकार रिकॉर्ड की मुखर आलोचक रही हैं और उन्होंने मृत्युदंड को खत्म करने के लिए अभियान चलाया है। नरगिस को नोबेल मिलना ईरान और दुनिया भर में मानवाधिकार रक्षकों के लिए बेहद अहम है। इससे यह यकीन पुख्ता होता है कि उत्पीड़न के बावजूद कोई इंसान न्याय और समानता के लिए अपनी लड़ाई से दुनिया को आंदोलित कर सकता है। सयाने बता रहे हैं कि नरगिस मोहम्मदी की सक्रियता २००० के दशक की शुरूआत में शुरू हुई, जब वे ईरान में महिलाओं के अधिकारों के अभियान में शामिल हुईं। वे 'वन मिलियन सिग्नेचर अभियान' की संस्थापक सदस्य रहीं, जिसने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कानून के समर्थन में १.१ मिलियन से अधिक हस्ताक्षर इकट्ठा किए थे। २००६ में, उन्हें विवादित ईरानी राष्ट्रपति चुनाव के बाद लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शन में सक्रिय भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया और छह साल जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन २०१५ में मेडिकल छुट्टी पर रिहा कर दिया गया था। २०१६ में फिर से गिरफ्तार किया गया और 'राष्ट्रीय सुरक्षा अपराधों' के आरोप में १६ साल जेल की सजा सुनाई गई। जेल में रहने के दौरान उन्हें बार-बार चिकित्सा देखभाल से वंचित किया गया और उन्हें अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। चुनौतियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने मानवाधिकारों के समर्थन में बोलना जारी रखा और २०२१ में सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई के लिए ईरानी सरकार को एक खुला खत लिखा। इस तरह, उनका यह सम्मान उत्पीड़न के खिलाफ उनके साहस, दृढ़ संकल्प और संघर्ष की वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण है। यह लोकतंत्र और मानवाधिकारों की लड़ाई में महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता मिलने का भी प्रतीक है। कहना ही होगा कि नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना कई वजहों से बेहद अहम और ऐतिहासिक घटना है। सबसे पहले तो, ईरान के किसी मानवाधिकार कार्यकर्ता के लिए नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करना एक दुर्लभ सम्मान है। यह असहमति को दबाने और मानवाधिकार रक्षकों पर अत्याचार करने के ईरानी सरकार के लंबे इतिहास का करारा जवाब है। दूसरे, यह पुरस्कार लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए ईरानी लोगों के संघर्ष के समर्थन में एक शक्तिशाली संदेश है। ईरानी लोगों ने दशकों तक उत्पीड़न और दमन का सामना किया है, लेकिन उन्होंने अपने अधिकारों के लिए लड़ना जारी रखा है। नरगिस का सम्मान उनके साहस और दृढ़ संकल्प की अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। तीसरे, यह सम्मान लोकतंत्र और मानवाधिकारों की लड़ाई में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। याद रहे कि महिलाएं अक्सर इन संघर्षों में सबसे आगे होती हैं और उन्हें भीषण चुनौतियों और क्रूरतम जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इसलिए नरगिस का यह सम्मान मानवाधिकार आंदोलन में महिलाओं के योगदान का जश्न है। अंततः, यह भी विचारणीय है कि नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कई सकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। सबसे पहले तो, इससे ईरान में मानवाधिकार की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान बढ़ने की उम्मीद की जानी चाहिए। इससे ईरानी सरकार पर अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड में सुधार करने का दबाव पड़ सकता है। दूसरे, इससे ईरान और दुनिया भर में अन्य मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलनी चाहिए और दुनिया के अलग अलग हिस्सों में जारी उत्पीड़न के खिलाफ सामाजिक न्याय और मानवीय समानता के अभियानों को बल मिलना चाहिए। तीसरे, लोकतंत्र और मानवाधिकारों की लड़ाई में महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता तथा महिला अधिकार कार्यकर्ताओं और संगठनों के लिए समर्थन तो बढ़ना ही चाहिए।

०००

ऋषभदेव शर्मा

मेल
rishabhadeosharma@yahoo.com

एशियन गेम्स २०२३

भारत ने जीते १०७ पदक

चीन के हांगझोउ में एशियन गेम्स २०२३ पूरा हो गया है। २८ गोल्ड, ३८ सिल्वर और ४१ ब्रॉन्ज मेडल के साथ इस बार एशियन गेम्स में रिकॉर्ड १०७ मेडल जीतकर भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया।

भारत ने हांगझोऊ २०२३ में २८ स्वर्ण, ३८ रजत और ४१ कांस्य समेत कुल १०७ पदक जीते।

भारत ने ६५५ एथलीटों के साथ २३ सितंबर से ८ अक्टूबर तक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हांगझोऊ में एशियन गेम्स २०२३ में हिस्सा लिया। प्रत्येक चार साल पर होने वाला यह टूर्नामेंट साल २०२२ में होना था, लेकिन कोविड-१९ के कारण इसे एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। भारत ने अपने एशियाई खेल २०२३ अभियान को १०७ पदकों की रिकॉर्ड संख्या के साथ समाप्त किया जिसमें २८ स्वर्ण, ३८ रजत और ४१ कांस्य पदक शामिल रहे। इसके साथ ही भारत ने जकार्ता २०१८ में हासिल किए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जहां भारत के ५७० एथलीटों के दल ने कुल ७० पदक जीते थे, जिसमें १६ स्वर्ण, २३ रजत और ३१ कांस्य शामिल थे। चीन २०१ स्वर्ण के साथ एशियन गेम्स २०२३ मेडल टैली में जापान (५२) और दक्षिण कोरिया (४२) से आगे रहा था। भारत ने एथलेटिक्स में ६ स्वर्ण, १४ रजत और ९ कांस्य के साथ सबसे अधिक २९ पदक जीते। भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने सफलतापूर्वक अपना खिताब डिफेंड किया। इस बीच, तीरंदाजी कंपाउंड टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदक जीते। क्रिकेट और कबड्डी टीमों ने भी दो-दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जबकि पुरुष हॉकी टीम के स्वर्ण पदक ने पेरिस २०२४ ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित किया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने एशियन गेम्स २०२३ में पुरुष युगल के फाइनल मैच में जीत दर्ज करके भारत के लिए एशियाई खेल में पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक हासिल किया। हांगझोऊ में भारत ने स्क्वैश में दो और टेनिस और घुड़सवारी में एक-एक स्वर्ण पदक जीते। पदकों के अलावा, हांगझोऊ ने ७४ पेरिस २०२४ ओलंपिक कोटा की पेशकश भी की जिसमें तीरंदाजी में ६, आर्टिस्टिक स्विमिंग में १०, बॉक्सिंग में ३४, ब्रेकिंग में २, हॉकी में २, मॉडर्न पेंटाथलॉन में १०, नौकायन में ६, टेनिस में २ और वाटर पोलो में २ शामिल थे। भारत ने कुल मिलाकर छह कोटा हासिल किए बॉक्सिंग में चार (निकहत जरीन, प्रीति पवार, परवीन हुड्डा, लवलीना बोरगोहेन) और एथलेटिक्स (किशोर जेना) और पुरुष हॉकी में एक-एक।

भारत के पदक विजेता टीम और खिलाड़ी

टीम/एथलीट

महिला १० मीटर एयर राइफल टीम-आशी चौकसे, मेहुली घोष, रमिता जिंदल

पुरुष लाइटवेट डबल स्कल्स टीम-अर्जुन लाल जाट, अरविंद सिंह

पुरुष पेयर टीम- बाबू लाल यादव, लेखराम

पुरुष ऐट टीम- नीरज, नरेश कलवानिया, नीतेश कुमार, चरणजीत सिंह, जसविंदर सिंह, भीम सिंह, पुनित कुमार, आशीष, डीयू पांडे

पुरुष १० मीटर एयर राइफल टीम-रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, दिव्यांश सिंह पंवार

पुरुष फोर टीम- जसविंदर सिंह, भीम सिंह, पुनित कुमार, आशीष

पुरुष क्वाडर्पल टीम- परमिंदर सिंह, सतनाम सिंह, जैकर खान, सुखमीत सिंह

पुरुष २५ मीटर रैपिड फाइल पिस्टल टीम-विजयवीर सिद्धु, आदर्श सिंह, अनीश भनवाला

महिला टी२० क्रिकेट टीम-हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, अमनजोत कौर, देविका वैद्य, पूजा वस्त्राकर, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़, मिन्नू मणि, कनिका आहूजा, उमा छेत्री, अनुषा बारेड्डी

ड्रेसेज टीम हृदय छेदा, अनुष अग्रवाल, दिव्यकृति सिंह, सुदीप्ति हजेला

महिला ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन टीम-आशी चौकसे, मानिनी कौशिक, सिफ्त कौर समरा

महिला २५ मीटर पिस्टल टीम- मनु भाकर, रिदम सांगवान, ईशा सिंह

पुरुष स्कीट टीम-अनंतजीत सिंह नरुका, गुरजोत सिंह खंगुरा, अंगद वीर सिंह बाजवा

पुरुषों की १० मीटर एयर पिस्टल टीम- अर्जुन चीमा, सरबजोत सिंह, शिवा नरवाल

महिलाओं की १० मीटर एयर पिस्टल टीम-ईशा सिंह, पलक, दिव्या थडिगोल सुब्बाराजू

पुरुषों की ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन टीम-ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योराण

पुरुषों की युगल टेनिस टीम- रामकुमार रामनाथन, साकेत माइनेनी

महिलाओं की स्क्वैश टीम- जोशना चिनप्पा, अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, दीपिका पल्लीकल

१० मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम- सरबजोत सिंह, दिव्या थडिगोल

टेनिस मिश्रित युगल- रोहन बोपन्ना, रुतुजा भोसले

पुरुषों की स्क्वैश टीम- सौरव घोषाल, अभय सिंह, हरिंदर पाल सिंह, महेश मनगांवकर

महिलाओं की ट्रैप टीम- राजेश्वरी कुमारी, मनीषा कीर, प्रीति रजक

पुरुषों की ट्रैप टीम- जोरावर सिंह, किनान डेरियस चेनाई, पृथ्वीराज टोंडाइमान

पुरुषों की बैडमिंटन टीम- किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन, चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, एमआर अर्जुन, ध्रुव कपिला, एचएस प्रणॉय, मिथुन मंजूनाथ, साई प्रतीक, रोहन कपूर

महिलाओं की स्पीड स्केटिंग ३००० मीटर रिले- कार्तिका जगदीश्वरन, संजना बथुला, हीरल साधु, आरती कस्तूरी राज

पुरुषों की स्पीड स्केटिंग ३००० मीटर रिले- आर्यनपाल सिंह घुमन, आनंदकुमार वेलकुमार, सिद्धांत कांबले, विक्रम इंगले

महिलाओं की टेबल टेनिस युगल जोड़ी- सुतीर्था मुखर्जी, अहिका मुखर्जी

मिक्स्ड ४X४०० मीटर रिले एथलेटिक्स टीम- मुहम्मद अजमल, विथ्या रामराज, राजेश रमेश, सुभा वेंकटेशन

पुरुषों का कैनो डबल १००० मीटर- अर्जुन सिंह, सुनील सिंह सलाम

३५ किमी रेस वॉक मिक्स्ड टीम- राम बाबू, मंजू रानी

मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी टीम- ज्योति सुरेखा वेन्नम, ओजस देवताले

स्क्वैश मिक्स्ड टीम- अनाहत सिंह, अभय सिंह

महिलाओं की ४X४०० मीटर रिले टीम- विथ्या रामराज, ऐश्वर्या मिश्रा, प्राची, सुभा वेंकटेशन

पुरुषों की ४X४०० मीटर रिले टीम- मुहम्मद अनस यहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल वरियाथोडी, राजेश रमेश

महिलाओं की कंपाउंड तीरंदाजी टीम- ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपीचंद स्वामी, परनीत कौर

स्क्वैश मिक्स्ड डबल्स टीम- दीपिका पल्लीकल, हरिंदरपाल सिंह संधू

पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी टीम- अभिषेक वर्मा, ओजस प्रवीण देवताले, प्रथमेश जावकर

पुरुषों का एकल, स्क्वैश- सौरव घोषाल

महिला फ्रीस्टाइल ५३ किग्रा, रेसलिंग- अंतिम पंघाल

महिला रिकर्व टीम- अंकिता भकत, भजन कौर, सिमरनजीत कौर

पुरुष एकल- एचएस प्रणॉय

महिला रेगु सेपकटकराव टीम- खुशबू, माईपाक देवी अयेकम, लीरेंटोनबी देवी एलंगबम, प्रिया देवी एलंगबम, चाओबा देवी ओइनम

पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम- अतानु दास, तुषार शेल्के, धीरज बोम्मदेवरा

महिला फ्रीस्टाइल ६२ किग्रा कुश्ती- सोनम मलिक

महिला फ्रीस्टाइल ७६ किग्रा कुश्ती- किरण बिश्नोई

पुरुष फ्रीस्टाइल ५७ किग्रा कुश्ती- अमन सहरावत

पुरुष टीम- ब्रिज राजू तोलानी, अजय प्रभाकर खरे, राजेश्वर तिवारी, सुमित मुखर्जी

पुरुष हॉकी टीम पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, संजय, सुमित, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, अभिषेक, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय

महिला कबड्डी टीम- अक्षिमा, ज्योति, पूजा, पूजा, प्रियंका, पुष्पा, साक्षी कुमारी, रितु नेगी, निधि शर्मा, सुषमा शर्मा, स्नेहल प्रदीप शिंदे, सोनाली विष्णु शिंगत

पुरुष युगल बैडमिंटन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी

पुरुष क्रिकेट टीम- रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह, आकाश दीप

पुरुष कबड्डी टीम- नितेश कुमार, परवेश भैंसवाल, सचिन, सुरजीत सिंह, विशाल भारद्वाज, अर्जुन देशवाल, असलम इनामदार, नवीन कुमार, पवन सहरावत, सुनील कुमार, नितिन रावल, आकाश शिंदे

महिला हॉकी टीम- सविता पूनिया, बिछू देवी खारीबाम, दीपिका, लालरेम्सियामी, मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, सोनिका, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का, वंदना कटारिया, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, निक्की प्रधान, सुशीला चानू, सलीमा टेटे

पुरुष शतरंज टीम- गुकेश डी, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, रमेशबाबू प्रागनानंद

महिला शतरंज टीम- कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, वंतिका अग्रवाल, सविता श्री बी।

उपरोक्त सभी खिलाड़ियों को 'ओपन डोर' की शुभकाममनाएं और बधाइयां पूरे देश को।

किस देश को कितने मेडल मिले

रैंक	देश	गोल्ड मेडल	सिल्वर मेडल	ब्रॉन्ज मेडल	टोटल
१	चीन	१९२	१०६	६६	३६४
२	जापान	४८	६२	६७	१७७
३	साउथ कोरिया	३६	५५	८६	१८३
४	भारत	२८	३८	४१	१०७
५	उज्जबेकिस्तान	२०	१८	२६	६४
६	ताइवान	१८	१८	२८	६४
७	उत्तर कोरिया	११	१८	१०	३६
८	थाईलैंड	१०	१४	३०	५४
९	बहरीन	१०	३	५	१८
१०	कजाखस्तान	९	१६	४३	७१

खेल अनुसार भारत की मेडल टैली

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
निशानेबाजी	७	६	६	२२
एथलेटिक्स	६	१४	६	२६
आर्चरी	५	२	२	९
स्क्वैश	२	१	२	५
क्रिकेट	२	०	०	२
कबड्डी	२	०	०	२
बैडमिंटन	१	१	१	३
टेनिस	१	१	०	२
इक्वेस्ट्रियन	१	०	१	२
हॉकी	१	०	१	२
रोइंग	०	२	३	५
शतरंज	०	२	०	२
रेसलिंग	०	१	५	६
बॉक्सिंग	०	१	४	५
सेलिंग	०	१	२	३
ब्रिज	०	१	०	१
गोल्फ	०	१	०	१
वुशु	०	१	०	१
रोलर स्केटिंग	०	०	२	२
कैनोई स्प्रिंट	०	०	१	१
सेपकटकराव	०	०	१	१
टेबल टेनिस	०	०	१	१
कुल	२८	३८	४१	१०७

एशियन गेम्स २०२३ भारत के पदक विजेता

नंबर/एथलीट/टीम	खेल	इवेंट	पदक
१ भारतीय टीम	शूटिंग	वूमेंस १० मीटर एयर राइफल टीम	सिल्वर
२ भारतीय टीम	रोइंग	मेंस लाइटवेट डबल स्कल्स	सिल्वर
३ भारतीय टीम	रोंइंग	मेंस पेयर	ब्रॉन्ज
४ भारतीय टीम	रोइंग	मेंस ८	सिल्वर
५ रमिता	शूटिंग	वूमेंस १० मीटर एयर राइफल	ब्रॉन्ज
६ भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस १० मीटर एयर राइफल टीम	गोल्ड
७ भारतीय टीम	रोइंग	मेंस ४	ब्रॉन्ज
८ भारतीय टीम	रोइंग	मेंस क्वाडरपल	ब्रॉन्ज
९ एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर	शूटिंग	मेंस १० मीटर एयर राइफल	ब्रॉन्ज
१० भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस २५ मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम	ब्रॉन्ज
११ भारतीय क्रिकेट टीम	क्रिकेट	वूमेंस टी२० क्रिकेट	गोल्ड
१२ नेहा ठाकुर	सेलिंग	गर्ल्स डिंगी ILCA४	सिल्वर
१३ इबाद अली	सेलिंग	मेंस विंडसर्फर RS:X	ब्रॉन्ज
१४ भारतीय टीम	इक्वेस्ट्रियन	ड्रेसेज मिक्स्ड टीम	गोल्ड
१५ भारतीय टीम	शूटिंग	वूमेंस ५० मीटर ३ राइफल पोजीशन टीम	सिल्वर
१६ भारतीय टीम	शूटिंग	वूमेंस २५ मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल टीम	गोल्ड
१७ सिफ्ट कौर सामरा	शूटिंग	वूमेंस ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन	गोल्ड
१८ आशी चौकसी	शूटिंग	वूमेंस ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन	ब्रॉन्ज
१९ भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस स्कीट टीम	ब्रॉन्ज
२० विष्णु सरवनन	सेलिंग	मेंस डिंगी ICLA७	ब्रॉन्ज
२१ ईशा सिंह	शूटिंग	वूमेंस २५ मीटर पिस्टल	सिल्वर
२२ अनंतजीत सिंह नरुका	शूटिंग	मेंस स्कीट	सिल्वर
२३ रोशिबिना देवी	वुशु	वूमेंस ६० किग्रा	सिल्वर
२४ भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस १० मीटर एयर पिस्टल टीम	गोल्ड
२५ अनुश अग्रवाल	इक्वेस्ट्रियन	ड्रेसेज इंडिविजुअल	ब्रॉन्ज
२६ भारतीय टीम	शूटिंग	वूमेंस १० मीटर एयर पिस्टल टीम	सिल्वर
२७ भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन टीम	गोल्ड
२८ भारतीय टीम	टेनिस	मेंस डबल्स	सिल्वर
२९ पलक	शूटिंग	वूमेंस १० मीटर एयर पिस्टल	गोल्ड
३० ईशा सिंह	शूटिंग	वूमेंस १० मीटर एयर पिस्टल	सिल्वर
३१ भारतीय टीम	स्क्वैश	वूमेंस टीम	ब्रॉन्ज
३२ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर	शूटिंग	मेंस ५० मीटर राइफल ३ पोजीशन	सिल्वर
३३ किरण बालियान	एथलेटिक्स	महिला शॉट पुट	ब्रॉन्ज
३४ भारतीय टीम	शूटिंग	१० मीटर एयर पिस्टल	सिल्वर
३५ भारतीय टीम	टेनिस	मिक्स्ड डबल्स	गोल्ड
३६ भारतीय टीम	स्क्वैश	मेंस टीम	गोल्ड
३७ कार्तिक कुमार	एथलेटिक्स	मेंस १०,००० मीटर	सिल्वर
३८ गुलवीर सिंह	एथलेटिक्स	मेंस १०,००० मीटर	ब्रॉन्ज
३९ अदिति अशोक	गोल्फ	वूमेंस इंडिविजुअल	सिल्वर
४० भारतीय टीम	शूटिंग	वूमेंस ट्रैप टीम	सिल्वर
४१ भारतीय टीम	शूटिंग	मेंस ट्रैप टीम	गोल्ड
४२ किनान चेनाई	शूटिंग	मेंस ट्रैप	ब्रॉन्ज
४३ निकहत जरीन	बॉक्सिंग	वूमेंस ५० किग्रा	ब्रॉन्ज
४४ अविनाश साबले	एथलेटिक्स	३००० मीटर स्टीपलचेज	गोल्ड
४५ तजिंदरपाल सिंह तूर	एथलेटिक्स	मेंस शॉटपुट	गोल्ड
४६ हरमिलन बैंस	एथलेटिक्स	वूमेंस १५०० मीटर	सिल्वर
४७ अजय कुमार	एथलेटिक्स	मेंस १५०० मीटर	सिल्वर
४८ जिन्सन जॉनसन	एथलेटिक्स	मेंस १५०० मीटर	ब्रॉन्ज
४९ मुरली श्रीशंकर	एथलेटिक्स	मेंस लॉन्ग जम्प	सिल्वर
५० नंदिनी अगासरा	एथलेटिक्स	वूमेंस हेप्टाथलॉन	ब्रॉन्ज
५१ सीमा पुनिया	एथलेटिक्स	वूमेंस डिस्कस थ्रो	ब्रॉन्ज
५२ ज्योति याराजी	एथलेटिक्स	वूमेंस १०० मीटर हर्डल्स	सिल्वर
५३ भारतीय टीम	बैडमिंटन	मेंस टीम	सिल्वर
५४ भारतीय टीम	रोलर स्केटिंग	वूमेंस ३००० मीटर स्पीड स्केटिंग रिले	ब्रॉन्ज
५५ भारतीय टीम	रोलर स्केटिंग	मेंस ३००० मीटर स्पीड स्केटिंग रिले	ब्रॉन्ज
५६ भारतीय टीम	टेबल टेनिस	वूमेंस डबल्स	ब्रॉन्ज
५७ पारुल चौधरी	एथलेटिक्स	वूमेंस ३००० मीटर स्टीपलचेज	सिल्वर
५८ प्रीति लांबा	एथलेटिक्स	वूमेंस ३००० मीटर स्टीपलचेज	ब्रॉन्ज
५९ एंसी सोजन	एथलेटिक्स	वूमेंस लॉन्ग जम्प	सिल्वर
६० भारतीय टीम	एथलेटिक्स	मिक्स्ड ४X४०० मीटर रिले	ब्रॉन्ज
६१ भारतीय टीम	कैनो स्प्रिंट	मेंस कैनो डबल १००० मीटर	ब्रॉन्ज
६२ प्रीति पवार	बॉक्सिंग	वूमेंस ५४ किग्रा	ब्रॉन्ज
६३ विथ्या रामराज	एथलेटिक्स	वूमेंस ४०० हर्डल्स	ब्रॉन्ज
६४ पारुल चौधरी	एथलेटिक्स	वूमेंस ५००० मीटर	गोल्ड
६५ मोहम्मद अफसल	एथलेटिक्स	मेंस ८०० मीटर	सिल्वर
६६ प्रवीण चित्रवेल	एथलेटिक्स	मेंस ट्रिपल जम्प	ब्रॉन्ज
६७ तेजस्विन शंकर	एथलेटिक्स	मेंस डेकाथलॉन	सिल्वर
६८ अन्नू रानी	एथलेटिक्स	वूमेंस जैवलिन थ्रो	गोल्ड
६९ नरेंद्र बेरवाल	बॉक्सिंग	मेंस ९२ किग्रा	ब्रॉन्ज
७० भारतीय टीम	एथलेटिक्स	३५ किमी रेस वॉक मिक्स्ड टीम	ब्रॉन्ज
७१ भारतीय टीम	आर्चरी	कम्पाउंड मिक्स्ड टीम	गोल्ड
७२ भारतीय टीम	स्क्वैश	मिक्स्ड टीम	ब्रॉन्ज
७३ परवीन हुड्डा	बॉक्सिंग	वूमेंस ५७ किग्रा	ब्रॉन्ज
७४ लवलीना बोरगोहेन	बॉक्सिंग	वूमेंस ७५ किग्रा	सिल्वर
७५ सुनील कुमार	रेसलिंग	मेंस ग्रीको-रोमन ८७ किग्रा	ब्रॉन्ज
७६ हरमिलन बैंस	एथलेटिक्स	वूमेंस ८०० मीटर	सिल्वर
७७ अविनाश साबले	एथलेटिक्स	मेंस ५००० मीटर	सिल्वर
७८ भारतीय टीम	एथलेटिक्स	वूमेंस ४X४०० मीटर रिले	सिल्वर
७९ नीरज चोपड़ा	एथलेटिक्स	मेंस जैवलिन थ्रो	गोल्ड
८० किशोर जेना	एथलेटिक्स	मेंस जैवलिन थ्रो	सिल्वर
८१ भारतीय टीम	एथलेटिक्स	मेंस ४X४०० मीटर रिले	गोल्ड
८२ भारतीय टीम	तीरंदाजी	आर्चरी वूमेंस कंपाउंड	गोल्ड
८३ भारतीय टीम	स्क्वैश	स्क्वैश मिक्स्ड डबल्स	गोल्ड
८४ भारतीय टीम	तीरंदाजी	आर्चरी मेंस कंपाउंड	गोल्ड
८५ सौरव घोषाल	स्क्वैश	मेंस सिंगल्स	सिल्वर
८६ अंतिम पंघाल	रेसलिंग	वूमेंस फ्रीस्टाइल ५३ किग्रा	ब्रॉन्ज
८७ भारतीय टीम	तीरंदाजी	वूमेंस रिकर्व टीम	ब्रॉन्ज
८८ एचएस प्रणहय	बैडमिंटन	मेंस सिंगल्स	ब्रॉन्ज
८९ भारतीय टीम	सेपकटकराव	वूमेंस रेगु	ब्रॉन्ज
९० भारतीय टीम	तीरंदाजी	मेंस रिकर्व टीम	सिल्वर
९१ सोनम मलिक	कुश्ती	वूमेंस ६२ किग्रा	ब्रॉन्ज
९२ किरण बिश्नोई	कुश्ती	वूमेंस ७६ किग्रा	ब्रॉन्ज
९३ अमन सहरावत	कुश्ती	मेंस फ्रीस्टाइल ५७ किग्रा	ब्रॉन्ज
९४ भारतीय टीम	ब्रिज	मेंस टीम	सिल्वर
९५ भारतीय टीम	हॉकी	मेंस टीम	गोल्ड
९६ अदिति स्वामी	आर्चरी	व्यक्तिगत कंपाउंड	ब्रॉन्ज
९७ ज्योति सुरेखा वेन्नम	आर्चरी	व्यक्तिगत कंपाउंड	गोल्ड
९८ ओजस देवताले	आर्चरी	व्यक्तिगत कंपाउंड	गोल्ड
९९ अभिषेक वर्मा	आर्चरी	व्यक्तिगत कंपाउंड	सिल्वर
१०० भारतीय टीम	कबड्डी	वूमेंस टीम	गोल्ड
१०१ भारतीय टीम	बैडमिंटन	मेंस डबल्स	गोल्ड
१०२ भारतीय टीम	क्रिकेट	मेंस टीम	गोल्ड
१०३ भारतीय टीम	कबड्डी	मेंस कबड्डी	गोल्ड
१०४ भारतीय टीम	हॉकी	वूमेंस हॉकी	ब्रॉन्ज
१०५ दीपक पूनिया	रेसलिंग	मेंस फ्रीस्टाइल ८६ किग्रा	सिल्वर
१०६ भारतीय टीम	शतरंज	पुरुष टीम	सिल्वर
१०७ भारतीय टीम	शतरंज	महिला टीम	सिल्वर

एशियाई खेल और डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' के फायकू

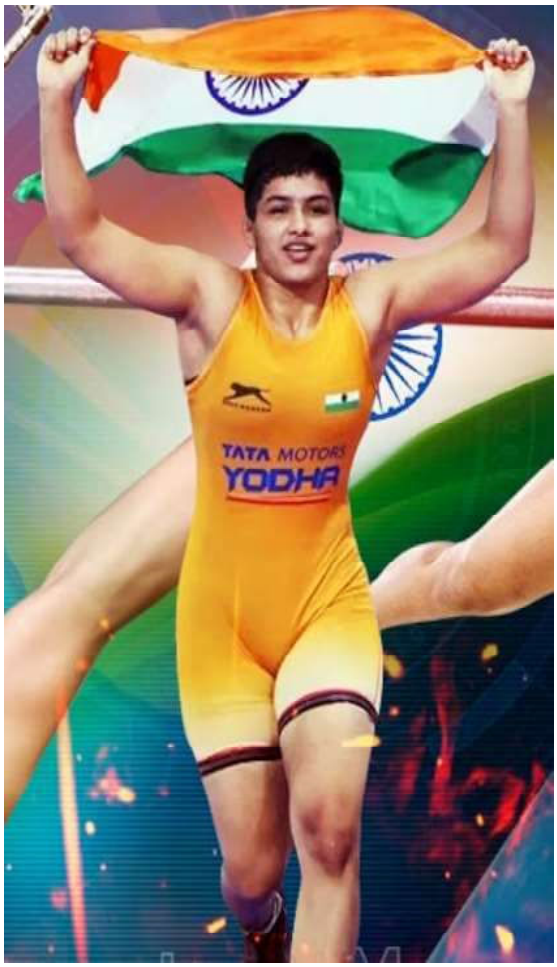

१
झांगझाऊं एशियाई खेल में
शानदार प्रदर्शन, बधाई
तुम्हारे लिये।

२
एक सौ सात पदक जीतकर
भारतीय टीम आई
तुम्हारे लिये।

३
अट्ठाईस स्वर्ण, अड़तीस रजत
पदक खिलाड़ी लाए
तुम्हारे लिये।

४
जीतकर इकतालीस कांस्य पदक
भारतीय खिलाड़ी आए
तुम्हारे लिये।

५
मेहुल घोष, आशी रमिता
निशानेबाजी रजत जीता
तुम्हारे लिये।

६
अर्जुन लाल अरविंद सिंह
हुए रजत विजेता
तुम्हारे लिये।

७
बाबूलाल यादव और लेखराम
जीता कांस्य इनाम
तुम्हारे लिये।

८
रोइंग मेंस एट टीम
जीत लाई रजत
तुम्हारे लिये।

९
खेल रोइंग मेंस एट
टीम जीती रजत
तुम्हारे लिये।

१०
निशानेबाजी में कांस्य पदक
जीती रमिता जिंदल
तुम्हारे लिये।

११
दिव्यांश, रुद्रांक्ष, ऐश्वर्य जीते
पहला स्वर्ण पदक
तुम्हारे लिये।

१२
जसविंदर भीम आशीष पुनीत,
कांस्य लाए जीत
तुम्हारे लिये।

१३
सतनाम, परमिंदर, जाकर, सुखमीत
लाए कांस्य जीता
तुम्हारे लिये।

१४
आदर्श, अनीस, विजयवीर की
तिकड़ी जीती कांस्य
तुम्हारे लिये।

१५
महिला क्रिकेट टीम बधाई
स्वर्ण पदक लाई
तुम्हारे लिये।

१६
नेहा ठाकुर नाव दौड़ाई,
जीती रजत लाई
तुम्हारे लिये।

१७
नौकायन में इबाद अली
कांस्य पदक लिए
तुम्हारे लिये।

१८
हृदयछेदा, दिव्याकृति, अनुष, सुदीप्ति
घुड़सवारी स्वर्ण जीती
तुम्हारे लिये।

१९
सिफ्त, आशी, मानिनि ने
रजत निशाना साधा
तुम्हारे लिये।

२०
सिफ्त कौर स्वर्ण लाई
जिंदाबाद, हार्दिक बधाई
तुम्हारे लिये।

२१
आशी चौकसे बनी विजेता
कांस्य पदक जीता
तुम्हारे लिये।

२२
अंगद, गुरजोत, अनंत जीत
लाए कांस्य जीता
तुम्हारे लिये।

२३
कांस्य जीता विष्णु सरवन
खेला था नौकायन
तुम्हारे लिये।

२४
ईशा ने निशाना लगाया
रजत पदक पाया
तुम्हारे लिये।

२५
अनंत जीत, अनंत नाकारा
रजत अपना करा
तुम्हारे लिये।

२६
सरबजीत, अर्जुन, शिव नरवाल
स्वर्ण पदक जीते
तुम्हारे लिये।

२७
अनुश ने कांस्य पाया
घोड़े को दौड़ाया
तुम्हारे लिये।

डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल'

२८
एअर पिस्टल रजत पदक
ईशा, दिव्या, पलक
तुम्हारे लिये।

२९
ऐश्वर्य, स्वप्निल, अखिल तिकड़ी
स्वर्ण पदक पकड़ी
तुम्हारे लिये।

३०
साकेत माइनेनी, रामकुमार रामनाथन
कांस्य पदक पाया
तुम्हारे लिये।

३१
पलक जीती स्वर्ण पदक
ईशा रजत पदक
तुम्हारे लिये।

३२
भारतीय महिला स्क्वैश टीम
स्वर्ण पदक विजेता
तुम्हारे लिये।

३३
ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने
रजत पदक जीता
तुम्हारे लिये।

३४
शॉटपुट में किरण बालियान
कांस्य पदक लाई
तुम्हारे लिये।

३५
सरबजीत, दिव्या की जोड़ी
रजत पदक, बधाई
तुम्हारे लिये।

३६
रोहन बोपन्ना, ऋतउजआ भोंसले
स्वर्ण पदक पाए
तुम्हारे लिये।

३७
स्क्वैश भारतीय टीम विजेता
स्वर्ण पदक लिए
तुम्हारे लिये।

३८
रेसलर कार्तिक रजत पदक
गुलवीर कांस्य पदक
तुम्हारे लिये।

३९
अदिति अशोक गोल्फ खेल
लायी रजत पदक
तुम्हारे लिये।

४०
मनीषा, राजेश्वरी, प्रीति रजक
जीती रजत पदक
तुम्हारे लिये।

४१
किराना, पृथ्वीराज और जोरावर
स्वर्ण लिए घर
तुम्हारे लिये।

४२
ट्रैप शूटिंग किनान चेनाई
पाया कांस्य बधाई
तुम्हारे लिये।

४३
निकहत जरीन मुक्केबाजी में
कांस्य पदक लाई
तुम्हारे लिये।

४४
अविनाश साबले ने जीता
स्वर्ण पदक बधाई
तुम्हारे लिये।

४५
तजिंदर पाल भाला फेंक
जीते स्वर्ण पदक
तुम्हारे लिये।

४६
हरिवंश बैंस ने दौड़कर
जीता रजत पदक
तुम्हारे लिये।

४७
लांग जंप में रजत
जीते मुरली श्रीशंकर
तुम्हारे लिये।

४८
हेप्टाथेलान में नंदिनी अगासारा
कांस्य पदक लाई
तुम्हारे लिये।

४९
डिस्कस थ्रो, सीमा पुनिया
कांस्य पदक पाई
तुम्हारे लिये।

५०
ज्योति जीती बाधा दौड़
रजत पदक लाई
तुम्हारे लिये।

५१
भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम
जीती रजत पदक
तुम्हारे लिये।

५२
संजना, कीर्तिका, हीरल, आरती
कांस्य पदक जीती
तुम्हारे लिये।

५३
आर्यन, आनंद, विक्रम, सिद्धान्त
कांस्य पदक पाए
तुम्हारे लिये।

५४
कहिया और सुतीर्था ने
कांस्य पदक पाए
तुम्हारे लिये।

५५
पारुल चौधरी, रजत, प्रीति
कांस्य पदक जीती
तुम्हारे लिये।

५६
रजत पदक मिक्सड टीम
जीती दौड़ में
तुम्हारे लिये।

५७
अर्जुन और सुनील, नौकायन
कांस्य पदक लिए
तुम्हारे लिये।

५८
मुक्केबाजी में भारतीय प्रीति
कांस्य पदक जीती
तुम्हारे लिये।

५९
बाधा दौड़, कांस्य पदक
विद्या रामराज लाई
तुम्हारे लिये।

६०
पारुल चौधरी दौड़ में
स्वर्ण पदक पाई
तुम्हारे लिये।

६१
अफजल रजत पदक जीता
आठसौ मीटर दौड़ा
तुम्हारे लिये।

६२
ट्रिपल जंप में कांस्य
प्रवीण चित्रावली लाया
तुम्हारे लिये।

६३
डेकेथलान में तेजस्विन शंकर
रजत पदक जीते
तुम्हारे लिये।

६४
भाला फेंक, स्वर्ण पदक
अन्नू रानी जीती
तुम्हारे लिये।

६५
मुक्केबाज नरेन्द्र बेलवाल ने
कांस्य पदक जीता
तुम्हारे लिये।

६६
मंजू, रामबाबू कांस्य जीते,
पैंतीस किलोमीटर दौड़
तुम्हारे लिये।

६७
तीरंदाज ओजस और ज्योति
लाई स्वर्ण पदक
तुम्हारे लिये।

६८
अनंत, अभय स्क्वैश खेल
लाए कांस्य पदक
तुम्हारे लिये।

६९
प्रवीण हुड्डा, कांस्य पदक
मुक्केबाजी में जीते
तुम्हारे लिये।

७०
लवलीना बोरगोहेन, रजत पदक
जीती मुक्केबाजी में
तुम्हारे लिये।

७१
सुनील कुमार कुश्ती लड़कर
कांस्य पदक जीते
तुम्हारे लिये।

७२
हरिवंश बैंस ने दौड़कर
रजत पदक जीता
तुम्हारे लिये।

७३
अविनाश जीता रजत पदक
५००० मीटर दौड़कर
तुम्हारे लिये।

७४
रिले रेस रजत पदक
महिला टीम जीती
तुम्हारे लिये।

७५
नीरज चोपड़ा भाला फेंक
स्वर्ण पदक पाए
तुम्हारे लिये।

७६
किशोर जेना भाला फेंक
रजत पदक लिए
तुम्हारे लिये।
७७
रिले रेस स्वर्ण पदक
पुरुष टीम जीती
तुम्हारे लिये।
७८
अदिति, ज्योति और परनीत
लाई स्वर्ण जीत
तुम्हारे लिये।
७९
स्क्वैश में दीपिका हरिंदर
स्वर्ण पदक जीते
तुम्हारे लिये।
८०
कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण पदक
पुरुष टीम जीती
तुम्हारे लिये।
८१
सौरभ घोषाल स्क्वैश का
जीते रजत पदक
तुम्हारे लिये।
८२
अंतिम पंघाल कुश्ती का
जीते कांस्य पदक
तुम्हारे लिये।
८३
तीरंदाजी महिला रिकर्व टीम
कांस्य पदक जीती
तुम्हारे लिये।
८४
एच एस प्रणॉय जीते
बैडमिंटन कांस्य पदक
तुम्हारे लिये।
८५
सेपक टकरा महिला टीम
कांस्य पदक जीती
तुम्हारे लिये।
८६
रिकर्व तीरंदाजी पुरुष टीम
रजत पदक जीती
तुम्हारे लिये।
८७
कांस्य पदक जीती सोनम
महिला कुश्ती में
तुम्हारे लिये।
८८
किरण जीती फ्रीस्टाइल कुश्ती
कांस्य पदक पाया
तुम्हारे लिये।
८९
कुश्ती जीत अमन, भारत
कांस्य पदक लाया
तुम्हारे लिये।
९०
ब्रिज, भारतीय पुरुष टीम
स्वर्ण पदक जीती
तुम्हारे लिये।
९१
कंपाउंड तीरंदाजी, महिला, कांस्य
अदिति स्वामी लाई
तुम्हारे लिये।
९२
कंपाउंड तीरंदाजी, महिला, स्वर्ण
ज्योति सुरेखा पाई
तुम्हारे लिये।
९३
कंपाउंड तीरंदाजी, पुरुष, स्वर्ण
ओजस देवतले लाए
तुम्हारे लिये।
९४
कंपाउंड तीरंदाजी, पुरुष, रजत
अभिषेक वर्मा पाए
तुम्हारे लिये।
९५
भारतीय महिला कबड्डी टीम
स्वर्ण पदक जीती
तुम्हारे लिये।
९६
सात्विक-चिराग बैडमिंटन में
स्वर्ण पदक जीते
तुम्हारे लिये।
९७
भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम,
स्वर्ण पदक जीती
तुम्हारे लिये।
९८
भारतीय कबड्डी पुरुष टीम
स्वर्ण पदक जीती
तुम्हारे लिये।
९९
भारतीय महिला हॉकी टीम
स्वर्ण पदक लाई
तुम्हारे लिये।
१००
पुरुष फ्रीस्टाइल कुश्ती, रजत
दीपक पुनिया लिए
तुम्हारे लिये।
१०१
शतरंज महिला टीम जीतकर
रजत पदक लाई
तुम्हारे लिये।
१०२
शतरंज पुरुष टीम जीतकर
रजत पदक लाई
तुम्हारे लिये।
१०३
जिंदाबाद हैं सभी खिलाड़ी
है हार्दिक बधाई
तुम्हारे लिये।

साहित्य के मठाधीशों पर भारी सोशल मीडिया

सोशल मीडिया की भूमिका पर चर्चा करते विभिन्न मीडिया से जुड़े विशेषज्ञ।

Photo-DLA

[illegible]। नई तकनीक साहित्य में लोकतंत्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। लोग अपनी बात को बेबाकी से रखने के लिए इस तकनीक का भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं। यही वजह है कि इसे लेकर [illegible] भी खूब हो रहा है। अब तो सोशल [illegible] की [illegible] कसने तक की बात हो रही है। इसका साफ [illegible] है कि पारंपरिक मीडिया से इतर सोशल मीडिया की [illegible] बहुत लोगों को रास नहीं आ रही है। फिलहाल लाख [illegible] के बावजूद सोशल मीडिया बेबाक अभिव्यक्ति की नई [illegible] लिख रहा है।

[illegible] साहित्य उत्सव में नयी तकनीक और साहित्य के [illegible] को लेकर व्यंग्यकार, लेखक आलोक पुराणिक ने कहा कि फेसबुक, ट्विटर पर लिखने वाले लेखक किसी खलीफा, किसी [illegible] से पूछकर, उनकी सहमति-स्वीकृति लेकर नहीं लिख रहे हैं। ये नये लेखक प्रयोग कर रहे हैं, ये साहित्य का [illegible] है, जो बन रहा है। लेखक कह रहा है कि पाठक [illegible] है, [illegible] के मठाधीश इससे नाराज हैं।'

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने कहा कि हिंदी के पत्रकार अंग्रेजी के शब्दों का बहुत प्रयोग करते हैं। अंग्रेजी के पत्रकार हिंदी के शब्दों का उतना प्रयोग नहीं करते हैं। भाषा के साथ यह खिलवाड़ ठीक नहीं है। वरिष्ठ ब्लॉगर एवं चर्चित व्यंग्यकार अविनाश वाचस्पति ने कहा कि इंटरनेट फेसबुक पर रचनात्मकता की नयी विधाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने एक नई साहित्यिक विधा 'फायकू' का जिक्र किया, जिसमें बहुत थोड़े शब्दों में कारगर तरीके से सलीकेदार बात की जा रही है। अविनाश वाचस्पति ने बताया कि नये प्रयोग फेसबुक पर संभव हैं क्योंकि बहुत सस्ते में ही अपनी बात देश विदेश के पाठकों तक रखने की संभावना फेसबुक ने मुहैया कराई है।

कवि और पत्रकार घड़ोदत्त शुक्ल ने अपनी बात जगजीत सिंह की गजल के सहारे रखी। गजल उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है। अभी ये नये माध्यम हैं। इन्हें बनने-विकसित होने में वक्त लगेगा। हिंदी और इंगलिश साहित्य के गहन अध्येता अरविंद जोशी ने कहा कि नयी तकनीक, नये मंचों को पहचान मिल रही है। विदेशों में इंटरनेट पर लिखे गये साहित्य के लिए अलग पुरस्कारों की व्यवस्था हो रही है। किताबों के बाहर के साहित्य के लिए जगह बन रही है।

महोत्सव के दौरान साहित्य की कसौटी पर सोशल मीडिया के मंचों पर लिखत-पढ़त और सोशल मीडिया की भाषा, सरोकार और उपयोगिता के आयाम विषयों पर चर्चा के दौरान तमाम महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विमर्श हुआ। इस दौरान आई एम फिल्म के सह निर्माता और ब्ल्यू माउंटेन फिल्म के निर्माता राजेश जैन ने कहा कि फेसबुक के जरिए आजकल फंड जुटाया जा रहा है और उनके जैसे हस्तशिल्प निर्यातक को फेसबुक के जरिए ही फिल्म निर्माता बनने का मौका मिला। यह सोशल मीडिया की उपयोगिता का एक अलग आयाम है। देश में हिंदी की शुरुआत के ब्लॉग लिखने वालों में से एक प्रतीक पांडे ने कहा कि तकनीक ने लेखन-साहित्य का लोकतंत्रीकरण किया है। अब तो नया साहित्य, नया लेखन पंसारी की दुकान करने वाले, पान की दुकान करने वाले भी रचेंगे। लेखन का आभिजात्यकरण खत्म हो रहा है। तकनीक ने इसे संभव बनाया है। साहित्य किसी सीनियर आलोचक की बपौती नहीं है, जो ये लाइसेंस दे कि कौन लेखक और कौन कवि। तकनीक ने हर किसी का लेखक- कवि होना संभव किया है। किसने कैसा लिखा, यह समय तय कर देगा।

वरिष्ठ पत्रकार और सोशल साइट्स के विशेषज्ञ पीयूष पांडे ने चर्चा के दौरान कई महत्वपूर्ण सवालों को रेखांकित किया। पीयूष पांडे ने सोशल साइट्स की भाषा पर सवाल उठाये कि यह नयी भाषा एक नयी दिशा ले रही है। इसमें अनुशासन का अभाव दिखता है। अपनी मर्जी की भाषा इंटरनेट पर लिखी जा रही है। पीयूष पांडे ने कहा कि हालांकि हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि इंटरनेट की भाषा पर किसी किस्म की बंदिश लगाना तकनीकी तौर पर असंभव है। ऐसी सूरत में हमें रास्ता निकालना है कि कोई इंटरनेट, फेसबुक का अनुचित इस्तेमाल ना कर जाये। पीयूष पांडे ने चर्चा के संचालन के दौरान यह कहा कि धीमे-धीमे ये सहमति बन रही है कि ये नया माध्यम नये लेखकों के लिए बहुत सकारात्मक साबित हो। पर इसके खतरों को समझा जाना भी जरूरी है। श्रोताओं की तरफ से एक महत्वपूर्ण सवाल पुनीत पांडे ने पूछा कि अगर कुछ शब्द अंग्रेजी के हिंदी में आ जायें तो क्या इसे हिंदी का भ्रष्ट होना माना जायेगा। इस सवाल को गंभीर बहस का सवाल मानते हुए कहा गया कि इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किये जाने की जरूरत है।

कहां से आते हैं आतंकवादी संगठनों पर आधुनिक हथियार

हमास : इसराइल तनाव

किसको क्या मिलेगा?

फलस्तीनी सरकार को भी इस हमले की कोई सूचना हमास ने नहीं दी थी। परंतु अब घबराकर हमास के कमांडर मोहम्मद देइफ ने सभी निर्दोष फलस्तीनी नागरिकों और पूरे समुदाय से एकजुट होने की अपील की है। इन नागरिकों में बहुत सारे ऐसे भी हैं जो इसराइल में या इसराइलियों के लिए काम करते हैं और अपनी रोजी चलाते हैं।

हर लड़ाई में इसराइल की सीमाएं बढ़ती गईं और फलीस्तीन सिकुड़ता गया

बीते शनिवार को हमास ने गजा पट्टी के चारों ओर स्थित इसराइली कस्बों पर हमला बोला और मासूम बच्चों तक को गोली बरसाकर मौत के आगोश में धकेला गया, औरतों के साथ बर्बरता की गई और इसराइली सैनिकों की भी हत्या की गई। उन्होंने इस हमले को ''अल अक्सा फ्लड'' नाम दिया। ये हमलावर जल, थल और वायु मार्ग से इसराइल में घुसे थे। इसराइली आयरन डोम को धोखा देने के लिए इन्होंने एक साथ हजारों मिसाइलें दागी थीं। फलस्तीनी आतंकवादियों ने गजा और इसराइल के बार्डर वाली दीवार और कंटीली बाड़ को हवाई रास्ते से पार किया। इसराइल में घुसने वाले पैराट्रूपर्स को हमास ने 'सक्र स्क्वाड्रन' का नाम दिया है। रॉकेटों की भारी बमबारी के कवर के बीच पैराग्लाइडरों से हथियारबंद लड़ाके गजा से उड़ान भर रहे हैं।

हमास के हमले के बाद इसराइल की कार्रवाई में गजा पट्टी में मची तबाही

हमास ने यह हमला अब तक का सबसे बड़ा और घातक हमला किया है। सूत्रों के अनुसार इसराइल में अब तक ऐसा 'क्रॉस बॉर्डर अटैक' नहीं हुआ था। ये हमला १९७३ के इसराइल पर ५० साल पहले के उस हमले की वर्षगांठ के दिन किया, जिसे मिस्र और सीरिया ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया था। उस हमले की तारीख और वर्षगांठ की याद को ताजा करने के लिए यह हमला किया गया है।

ऐसा पहली बार हुआ है जब हमास का हमला इसराइल की खुफिया एजेंसी के लिए नाकामी भरा कदम रहा है। इसराइल की खुफिया विभाग की कमान देश के भीतर 'शिन बेट' और देश के बाहर 'मोसाद' संभालती है। परंतु दोनों ही संस्थाओं को इतने बड़े हमले की योजना की भनक नहीं लगी। वेस्ट बैंक और गजा जो फलस्तीन के नियंत्रण में है, किंतु २००७ से गजा पूरी तरह से हमास ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। वह यहां मनमानी करता था और अपने ही नागरिकों पर अत्याचार भी करता था। जबकि पूर्वी यरूशलम और इसराइल के कब्जे वाला पूरा क्षेत्र आता है। रोमन काल में इस पूरे क्षेत्र को फलस्तीन ही कहा जाता था। परंतु ऐसा नहीं है कि यहां यहूदियों का कुछ भी नहीं था। बाइबिल में जिक्र आया है कि इसी क्षेत्र में यहूदी साम्राज्य का जिक्र मिलता है। यहूदी इस स्थान को अपनी मातृभूमि मानते हैं। १९४८ में यहूदियों ने अपने लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र इसराइल की घोषणा की। इसराइल के स्तंत्र राष्ट्र बनते ही उस पर ठीक उसी अंदाज में हमला किया गया था जैसे पाकिस्तान ने आजादी के बाद कश्मीर पर हमला कर दिया था। जिसमें इन हमलावर देशों को इसराइल ने हरा दिया। ये देश अभी भी इसराइल के अस्तित्व को नहीं मानते हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि हमास ने फलस्तीनी सरकार को इस हमले की कोई सूचना नहीं दी थी। परंतु अब घबराकर हमास के कमांडर मोहम्मद देइफ ने सभी निर्दोष फलस्तीनी नागरिकों और पूरे समुदाय से एकजुट होने की अपील की है। इन नागरिकों में बहुत सारे ऐसे भी हैं जो इसराइल में या इसराइलियों के लिए काम करते हैं और अपनी रोजी चलाते हैं। हमास इसराइल को पूरी तरह से उखाड़ फेंकना चाहता है जबकि वह यह बिजली, पानी और रसद आदि के मामले में इसराइल पर ही निर्भर है। गजा में रहने वाले फलीस्तीनी नागरिकों के जीवन को नरक बनाकर रख देने वाले हमास से लगता है कि शेष फलीस्तीन को उससे कोई हमदर्दी नहीं है। क्योंकि हमास ने फलीस्तीन के वेस्ट बैंक और गजा के नागरिकों, जिनके बीच में इसराइल है, बाधा खड़ी कर दी है। यही कारण है कि इसराइल इस बार फलीस्तीन पर नहीं बल्कि गजा के हमास ठिकानों को ही निशाना बना रहा है। हालांकि इसराइल ने हमास के हमदर्द लेबनान के हिजबुल्लाह और सीरीया को भी निशाने पर ले लिया है। फिलहाल इसराइल के ताबड़तोड़ हमले गजा पर कहर बरपा रहे हैं। अब हमास और उसके लड़ाकों को उकसाने का काम करने वाले दूसरे देश वहां की आम जनता को कितनी राहत दे पाते हैं यह देखना होगा। इसराइल ने २० लाख लोगों से कह दिया है कि वे कहीं और चले जाएं। संभव है इसराइल गजा के एक बड़े हिस्से पर काबिज हो जाए। हमास की यह बर्बरता ही अब उसका काल बनने वाली है। यह भी कहा जा सकता है कि इन आतंकवादियों ने जब-जब इसराइल को युद्ध के लिए उकसाया है तब-तब इसराइल ने अपने नक्शे को बढ़ा लिया है।

'हमास' क्या है?

१९४८ में इसरायली सेना द्वारा नष्ट किए गए एक छोटे से फिलिस्तीनी गांव 'अल-जुरा' में पैदा हुए शेख अहमद यासीन का जन्म १९३६ में हुआ था। १२ साल की उम्र में 'अल-जुरा' पर बुलडोजर चल जाने के कारण यह परिवार गाजा पट्टी में रहने लगा। अब व्हील चेयर पर रहने वाले यसीन के मन में उसी समय से इसरायल के लिए नफरत है। इसी शेख अहमद यासीन ने हमास की स्थापना की।

१९५९ में, यासिन ने मिस्र के ऐन शम्स विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, लेकिन पैसों की दिक्कत के चलते उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। गाजा लौटने पर, वह मिस्र की मुस्लिम ब्रदरहुड शिक्षाओं से प्रभावित हो गए। इस्लामी अध्ययन और अरबी शिक्षा के प्रति यासीन के लगाव ने उसे गाजा में जाना माना एक धार्मिक नेता बना दिया। १९८३ में, शेख यासीन को गाजा में इसरायली सेना ने हिरासत में ले लिया। कथित तौर पर उसपर चुपचाप संगठन बनाने और हथियार रखने के लिए १३ साल की जेल की सजा मिली। दो साल की सजा के बाद, उन्हें कैदी विनिमय में रिहा कर दिया। बचपन से इसरायल के लिए मन में जहर पाले यासीन ने १९८७ में गाजा स्थित मुस्लिम ब्रदरहुड का नेतृत्व करते हुए हमास की स्थापना की। हमास की स्थापना इजराइल को खदेड़ने और उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से की गई थी।

२००६ में फिलिस्तीनी संसदीय चुनावों में अपनी जीत के बाद हमास ने गाजा पर कब्जा कर लिया था। तब यहां आखिरी बार चुनाव आयोजित हुए थे। २००७ में हमास ने वेस्ट बैंक में सत्ता पर काबिज और फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) के प्रमुख राष्ट्रपति महमूद अब्बास के लड़ाकों को एक गृह युद्ध शिकस्त दी थी। अब्बास ने गाजा पर हमास के कब्जा करने को तख्तापलट करार दिया था।

हमास को इजराइल समेत अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा, मिस्र और जापान भी आतंकवादी संगठन मानता है। लेकिन चीन, मिस्त्र, ईरान नॉर्वे, कतर, ब्राजील, रूस, तुर्की और सीरिया ऐसे देश हैं इसे आतंकी संगठन नहीं मानते हैं।

साल १९८९ में, हिंसा भड़काने और एक इसरायली सैनिक की हत्या का आदेश देने के आरोप में यासिन को फिर से गिरफ्तार किया गया और ४० साल जेल की सजा सुनाई गई। इस बार उन्होंने आठ साल जेल में बिताए, उसके दो बेटे स्वेच्छा से उसके साथ जेल गए। १९९७ में, यासीन को इजराइल और जॉर्डन के राजा हुसैन के बीच एक समझौते के हिस्से के रूप में रिहा कर दिया गया था। लेकिन इन आठ सालों में उसे कई बीमारियां लग गईं।

हमास नेता के रूप में, यासीन ने इसरायल के कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध की पुरजोर वकालत की, इसरायल के साथ बातचीत में इस दृष्टिकोण को प्राथमिकता न दिए जाने पर वे फिलिस्तीनी प्रशासन से चिढ़ भी गए। गैर-इसरायल के कब्जे वाले क्षेत्रों पर शासन करने वाली फिलिस्तीनी अथोरिटी, कुछ क्षेत्रों में इसरायल के डोमिनेंस के साथ को-एगजिस्टेंस में थी, जिससे क्षेत्र में मुश्किलें बढ़ गई। इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष जारी रहा, सितंबर २००० में शुरू हुए विद्रोह के दौरान यासीन ने युद्धविराम पहल का प्रस्ताव रखा, वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम से इजराइल की वापसी का आह्वान किया और फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं की हत्या को समाप्त करने का आग्रह किया। लेकिन, सितंबर २००३ में, एक इसरायली एफ-१६ हमले ने गाजा शहर में यासीन को निशाना बनाया, जिससे वह घायल हो गया लेकिन जीवित रहा। हालांकि, २२ मार्च २००४ को, सुबह की अजान के दौरान एक इसरायली हेलीकॉप्टर हमले में नौ अन्य लोगों के साथ यासीन की जान चली गई।

एक विदेशी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हमास इसरायल के स्टेटहुड को मान्यता नहीं देता है जबकि १९६७ की सीमाओं पर फिलिस्तीन के स्टेटहुड को स्वीकार करता है। फिलिस्तीनी समूह के नेता खालिद मेशाल ने २०१७ में कहा था, "हम फिलिस्तीनी घरेलू जमीन का एक इंच भी नहीं छोड़ेंगे, चाहे हालिया दबाव कुछ भी हो और कब्जा कितना भी लंबा क्यों न हो।" हमास के पास एक सशस्त्र विंग है, जिसका नाम 'इज अल-दीन अल-कसम ब्रिगेड' है। यह ब्रिगेड इजराइल में बंदूकधारी और और आत्मघाती हमलावर भेजता रहा है।

हमास एक क्षेत्रीय गठबंधन का हिस्सा है जिसमें ईरान, सीरिया और लेबनान में हिजबुल्लाह समूह भी शामिल है, जो मिडिल ईस्ट और इजराइल के प्रति अमेरिकी नीतियों का विरोध करता है। हमास और क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा सशस्त्र समूह इस्लामिक जिहाद अक्सर इजराइल के खिलाफ एकजुट होते हैं और ज्वाइंट ऑपरेशन रूम के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य हैं जो गाजा में विभिन्न सशस्त्र समूहों के बीच मिलिट्री एक्टिविटी का कॉर्डिनेशन करते हैं। दोनों समूहों के बीच संबंध तब तनावपूर्ण हो गए हैं जब हमास ने इजराइल के खिलाफ हमले रोकने के लिए इस्लामिक जिहाद पर दबाव डाला है।

हमास फलस्तीन का इस्लामिक चरमपंथी समूह है, जो गजा पट्टी से संचालित होता है। २००७ में गजा पर नियंत्रण के बाद हमास के विद्रोहियों ने इसराइल को बर्बाद करने की कसम खाई। तब से लेकर हालिया हमले तक ये चरमपंथी संगठन इसराइल के साथ कई बार युद्ध छेड़ चुका है। इसराइल पर हमले के लिए हमास दूसरे चरमपंथी गुटों की भी सहायता लेता है। इन हमलों के जवाब में इसराइल कई तरह से हमास पर सैन्य कार्रवाई करता है। २००७ के बाद से ही इसराइल ने मिस्र के साथ मिलकर गजा की नाकेबंदी कर रखी है। इसराइल कहता है, ये उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है।

साभार

हमास के कमांडर महमूद अल जहर

हमास के कमांडर महमूद अल जहर ने अपने धमकीभरे दावे एक वीडियो जारी किया है। हमास कमांडर महमूद अल जहर ने अपने वीडियो पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ाने का दावा किया है। उनकी ये चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब हमास ने इजराइल पर रॉकेट हमलों के बाद सैकड़ों इजराइली नागरिकों को बंधक बना लिया है। हमास कमांडर ने वीडियो में कहा, 'इजराइल केवल पहला लक्ष्य है। पूरी दुनिया हमारे कानून के अंदर होगी। ५१० मिलियन वर्ग किलोमीटर वाली पूरी दुनिया एक ऐसी व्यवस्था के अंतर्गत आएगी, जहां कोई अन्याय नहीं होगा, न कोई जुल्म होगा और न ही कोई अपराध होगा, जैसा कि सभी अरब देशों, लेबनान और सीरिया में फिलिस्तीनियों के साथ किया जा रहा है।' उधर इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'हमास का जब तक एक-एक शख्स नहीं मारा जाता, तब तक इजराइल हमले करता रहेगा।'

दो शब्द फायकू के लिए

अमन कुमार 'त्यागी'

फायकू को 'समर्पण' का प्रतीक मानते हुए रचना की गई है। इसी के साथ इसमें मात्र तीन पंक्तियों का प्रावधान रखा गया है। किंतु यह तीन पंक्ति हाइकू से ली गयी नहीं माना जाए।

फायकू का प्रयोग ऐतिहासिक रूप से, उपनाम के लिए अथवा लोगों को समूहों में क्रमबद्ध करने के एक तरीके के रूप में विकसित हुआ है। व्यवसाय, मूल स्थान, कबीले संबद्धता, संरक्षण, माता-पिता, गोद लेने और यहां तक कि शारीरिक विशेषताओं के आधार पर भी फायकू लोगों की पहचान की जा सकती है। शब्दकोश में मौजूद कई आधुनिक उपनामों का पता ब्रिटेन और आयरलैंड से लगाया जा सकता है। किंतु यहां हम 'फायकू' नाम से साहित्य की एक नई विधा को विकसित कर रहे हैं। यह ऐसी विधा है जो २०१२ में नजीबाबाद से फेसबुक के माध्यम से अवतरित हुई और किसी दावानल सी फैल गयी। मजेदार किन्तु साहित्य की सभी परिभाषाओं से परिपूर्ण फायकू को हाईकू की नकल मानने की भूल न करें। हम बात कर रहे हैं एक ऐसी खूबसूरत विधा की, जो जमीन से जुड़ी हुई है। यहां कल्पना के घोड़े उड़ते हैं मगर उतरकर जमीन पर ही आ जाते हैं। क्योंकि FAYKO में FAY का अर्थ है तलछट (जमीन से मिला हुआ)।

प्रसिद्ध है कि आयरिश अपने नाम के बाद FAYKO शब्द का प्रयोग करते हैं। आयरिश में FAYKO का मतलब 'उड़ाने के लिए, हवा' (To blow, Wind) है। उतना ही उड़ाना जिससे जमीन पर वापिस आने में कोई कष्ट न हो। यहीं से प्रेरित होकर फायकू को 'समर्पण' का प्रतीक मानते हुए रचना की गई है। इसी के साथ इसमें मात्र तीन पंक्तियों का प्रावधान रखा गया है। यह तीन पंक्ति हाइकू से ली गयी नहीं माना जाए बल्कि इसको तीन लोकों के रूप में लिया जाना चाहिए।

तीन लोकों को इस प्रकार जाना जा सकता है- १. पाताल लोक जिसे अधोलोक के नाम से भी जानते हैं। २. भूलोक जिसे मध्यलोक अथवा पृथ्वी लोक भी कहा गया है। ३. स्वर्गलोक जिसे उच्चलोक भी कहा जाता है। जहां देवताओं के राजा इंद्र, सूर्य देवता, पवनदेव, चन्द्र देवता, अग्नि देव, जल के देवता वरुण, देवताओं के गुरु बृहस्पति, अप्सरायें आदि निवास करती हैं।

इन तीनों लोकों को भी १४ लोकों में बांटा गया है। इन १४ लोकों को भवन के नाम से भी पुकारा जाता है। जिनमें - १. सत्लोक २. तपोलोक ३. जनलोक ४. महलोक ५. ध्रुवलोक ६. सिद्धलोक ७. पृथ्वीलोक ८. अतललोक ९. वितललोक १०. सुतललोक ११. तलातललोक १२. महातललोक १३. रसातललोक और १४. पाताललोक सम्मिलित हैं।

चूंकि हम मानव हैं और पृथ्वीवासी हैं इसलिए हमें पृथ्वी ही सबसे भली लगती है। प्रथ्वी में भी वह स्थान जहां हम रहते हैं तभी तो तीन लोक और सभी भवन की तुलना में ध्रुवदास भूलोक (अपने वृन्दावन) को महान बताते हुए कहते हैं-

तीन लोक चौदह भुवन, प्रेम कहूं ध्रुव नाहिं।
जगमग रह्यो जराव सौ, श्री वृन्दावन माहिं।।

ध्रुवदास कहते हैं कि तीन लोक और चौदह भुवनों में सहज प्रेम के दर्शन कहीं नहीं होते। यह तो एकमात्र श्री वृन्दावन में कञ्चन में जड़ी मणि की भांति जगमगा रहा है।

इसी भूलोक को और अधिक समझने का प्रयास करते हैं- 'त्रिलोक' को हिन्दू मान्यता के अनुसार 'तीन दुनिया' के रूप में समझा जा सकता है। यह तीन लोक देवलोक, भूलोक तथा पितृलोक लोक माने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि - भूलोक पुत्र द्वारा जीता जाता है, पितृलोक कर्म द्वारा जीता जाता है और देवलोक विद्या द्वारा जीता जाता है। (बृहदारण्यक उपनिषद् अध्याय १ ब्राह्मण ५ मंत्र १६)

किंतु ये तीनों लोकों को जीतने का मतलब छीनना नहीं बल्कि समर्पित भाव से कर्म करना है। अब फायकू की इन तीनों पंक्तियों को भी तीन लोक के रूप में समझने का प्रयास करें। इनमें प्रथम पंक्ति में उद्देश्य होता है। अर्थात वह बात जो कही जा रही है, जबकि दूसरी पंक्ति में स्थिति वर्तमान रहते हुए अपनी इच्छा, विश्वास, योजना आदि रचनाकार का कृत्य स्पष्ट करती है। और तीसरी पंक्ति में रचनाकार की समस्त कर्मशीलता, इच्छाएं, विश्वास, योजनाएं आदि अपने इष्ट के प्रति समर्पित हो जाती हैं। सवाल यह था कि समर्पण को कैसे प्रदर्शित किया जाए? तमाम चिंतन और मंथन के बाद समर्पणभाव को ध्यान में रखते हुए अंतिम दो शब्द 'तुम्हारे लिए' निश्चित किए गए। ये दो शब्द 'तुम्हारे लिए' इस नई विधा को न सिर्फ नवीनता प्रदान करते हैं बल्कि उद्देश्य की पूर्ति भी करते हैं। यही दो शब्द इस रचना को प्रारंभ से अंत तक ऐसे बांध लेते हैं कि अनजान और अकवि भी सरलता के साथ फायकू की रचना कर सकता है। 'फायकू' प्रथम दृष्टि में भले ही 'हायकू' जैसा लगता हो मगर इसकी व्याकरण 'हाईकू' से एकदम भिन्न है। हायकू में तीन पंक्तियां होती हैं जिनमें प्रथम में पांच अक्षर दूसरी में सात अक्षर और तीसरी में पुनः पांच अक्षर होते हैं। फायकू का सम्बंध संगीत से भी है। यह पूर्णतः नवोदित व भारतीय है।

फायकू की व्याकरण

इसमें कुल तीन पंक्तियां हैं। प्रथम पक्ति में चार शब्द अनिवार्य हैं जबकि दूसरी पंक्ति में तीन और अन्तिम पंक्ति में मात्र दो। अन्तिम पंक्ति के लिये दो शब्द ''तुम्हारे लिये।'' होना अनिवार्य है।

प्रथम बार प्रथम रचनाकार अमन कुमार त्यागी के मुंह से निकला प्रथम फायकू देखें-

१.
गुनाहों की हर तरक़ीब
मुझे आजमाने दो
तुम्हारे लिये।

एकदम ताजातरीन अन्य कुछ फायकू देखें, जो डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' ने एशियाई खेलों के बाद भारत देश को ईष्ट मानकर लिखे हैं-

१
झांगझाऊं एशियाई खेल में
शानदार प्रदर्शन, बधाई
तुम्हारे लिये।

२
एक सौ सात पदक जीतकर
भारतीय टीम आई
तुम्हारे लिये।

३
अट्ठाईस स्वर्ण, अड़तीस रजत
पदक खिलाड़ी लाए
तुम्हारे लिये।

४
जीतकर इकतालीस कांस्य पदक
भारतीय खिलाड़ी आए
तुम्हारे लिये।

०

अविनाश वाचस्पति के १०० फायकू

अविनाश वाचस्पति

१
फेसबुक पर प्रेम मायने
प्रेमनामधारी मित्र मेरे
तुम्हारे लिये।

२
जागो फेसबुक के दीवानों
मुर्गा बोला है
तुम्हारे लिये।

३
लिखना पढ़ना सुनना सुनाना
सब लगता भला
तुम्हारे लिये।

४
हथिनी पे बिठा के
बवालमार्ट लाया हूं
तुम्हारे लिये।

५
नींद लुटी सोना लूटा
हिसाब बराबर किया
तुम्हारे लिये।

६
वे जागे हमारे लिये
हम सो रहे
तुम्हारे लिये।

७
गधे होने से अच्छा
उल्लू होना है
हमारे लिये

८
समीक्षा लेखन में कलम
अब आजमाएंगे हम
तुम्हारे लिये।

९
सो गया था मैं
नींद ने जगाया
तुम्हारे लिये।

१०
चलो सोना लूटने चलें
नींद न आए
तुम्हारे लिये।

११
जाम सड़क भर लबालब
दिल खाली पगडंडी
तुम्हारे लिये।

१२
अंधेरा काले धन का
उजाला मन भर
तुम्हारे लिये।

१३
मोबाइल फोन के इर्द
गिर्द सब घूमें
तुम्हारे लिये।

१४
गुजरना आसान है क्यों
गुजर करना मुश्किल
तुम्हारे लिये।

१५
एक सप्ताह के लिये
मोबाइल फोन संन्यास
तुम्हारे लिये।

१६
फेसबुक पर फायकू विधा
ने मचाया धमाल
तुम्हारे लिये।

१७
फेसबुक हो रहा फायकूमय
मय मिल रही
तुम्हारे लिये।

१८
फेसबुक पर खाता खोल
खोलकर पछताए हम
तुम्हारे लिये।

१९
फायकू लिखूंगा अब मैं
हायकू कदापि नहीं
तुम्हारे लिये।

२०
बदन दर्द बदन में
छुअन मन में
तुम्हारे लिये।

२१
चलाता हूं साइकिल मैं
लाता हूं कार
तुम्हारे लिये।

२२
रात में सोना अब
पड़ेगा महंगा सब
तुम्हारे लिये।

२३
फेसबुक के आभासी मित्रों
बनाए ख़याली पुलाव
तुम्हारे लिये।

२४-
फेसबुक नहीं सोती है
सोती है बत्ती
तुम्हारे लिये।

२५-
सोना लूटने की जुगत
अपने लिये नहीं
तुम्हारे लिये।

२६
फायकू फायकू काहे को
लिख रहे खायकू
तुम्हारे लिये।

२७
सुबह की प्यारी नींद
नींद बने दीद
तुम्हारे लिये।

२८
मदिरा पनीली लाया हूं
बीयर मिलाई है
तुम्हारे लिये।

२९
मीठी मिठाई लाया हूं
रसमलाई मैं पांच
तुम्हारे लिये।

३०
कार्टूनकार को ख़तरा है
फायकू बे-ख़तरा है
तुम्हारे लिये।

३१
फायकूमय हुआ फेसबुक
सुंदर इसकी लुक
तुम्हारे लिये।

३२
फायकू आया, फायकू आया
धूम धड़ाका मचाता
तुम्हारे लिये।

३३
चार तीन दो बस
फॉयकू बने नेक
तुम्हारे लिये।

३४
आज फायकू तुम लिखो
बजाऊं मैं साज
तुम्हारे लिये।

३५
होम मिनिस्टर तुम बनीं
प्राइम मिनिस्टर मैं
तुम्हारे लिये।

३६
नाचती हो तुम जब
ढोल मैं बजाता
तुम्हारे लिये।

३७
बुलाया मैंने जब भी
आए नहीं सब
तुम्हारे लिये।

३८
ट्वीटर फेसबुक और ब्लॉगिंग
बिन कमेंट नाकारा
तुम्हारे लिये।

३९
स्ट्रेटस तुम्हारा फेस आवारा
मुझे नहीं गवारा
तुम्हारे लिये।

४०
हाय क्यूं मैं अब
गायक बनूं गाऊं
तुम्हारे लिये।

४१-
फेसबुक बिना फेस की
पुस्तक हो गई
तुम्हारे लिये।

४२
गालियों की बढ़ी बाढ़
पीछे रही विनाशकारी
तुम्हारे लिये।

४३
धूप चमक पिघलती रही
सर्दी जमती रही
तुम्हारे लिये।

४४
बारिश रिमझिम बरसती रही
सर्दी बढ़ती रही
तुम्हारे लिये।

४५
देखा संसद रुकी रही
चलती लगती रही
तुम्हारे लिये।

४६
हंसी धन है सर्वोत्तम
निर्धन नहीं उत्तम
तुम्हारे लिये।

४७
आदमी लगाए आम पेड़
बने पौधा पेड़
तुम्हारे लिये।

४८
खो दिया है सोना
उड़ गई नींद
तुम्हारे लिये।

४९
मौसम अखरोट हो रहा
नेता खाएं आम
तुम्हारे लिये।

५०
फेसबुक पर फॉयकू है
कमेंट सब हैं
तुम्हारे लिये।

५१
बलात्कारियों डरो अब तुम
बहुत हुआ अपराध
तुम्हारे लिये।

५२
बाप बना भेड़िया भुगतो
बेटा रंगा सियार
तुम्हारे लिये।

५३
पत्रकार कैद न चाहें
कारपत्र में रखें
तुम्हारे लिये।

५४
उम्र अपनी बता दो
पूछ रहा हूं
तुम्हारे लिये।

५५
रात गहरी खाई है
अंधेरा हूं मैं
तुम्हारे लिये।

५६
बयानवीर बने नेता सभी
कायर मन के
तुम्हारे लिये।

५७
बात बनी जिह्वा मचली
मौन मैं रहा
तुम्हारे लिये।

५८
रात जगी रात भर
परात खाली रही
तुम्हारे लिये।

५९
मौसम है सर्दी का
गर्मी की धूप
तुम्हारे लिये।

६०
चढ़ते हुए मैं सीढ़ियां
उतर जाता हूं
तुम्हारे लिये।

६१
छान के कप में
ले रहा चुस्की
तुम्हारे लिये।

६२
भगोना फिर गरमा गया
नींद उबल गयी
तुम्हारे लिये।

६३
भगौना मेरा पलट गया
नींद उलट गई
तुम्हारे लिये।

६४
लिखता हूं व्यंग्य मैं
अब लिखूंगा कविता
तुम्हारे लिये।

६५
चलूं या सोऊं मैं
शाम को चलूं
तुम्हारे लिये।

६६
फेसबुक है जन्मस्थान फायकू
हंगामा करना मकसद
तुम्हारे लिये।

६७
आसा राम के दुष्कर्म
कुपुत्र करे कुकर्म
तुम्हारे लिये।

६८
फेसबुक पर प्रणाम करो
फायदेमंद है प्राणायाम
तुम्हारे लिये।

६९
शाम को लूटें सोना
न कोई सेना
तुम्हारे लिये।

७०
आत्महत्या करूं मैं अब
अपने लिये नहीं
तुम्हारे लिये।

७१
सेब हैं पांच किलो
केले दो दर्जन
तुम्हारे लिये।

७२
दिवस पीछे छूट गया
लुट गई रात
तुम्हारे लिये।

७३
बरसता पानी मन भर
धूप चमकाई है
तुम्हारे लिये।

७४
अभी बरसात अभी धूप
सुख दुख रूप
तुम्हारे लिये।

७५
चाय काफी जूस ठण्डा
रम व्हिस्की बीयर
तुम्हारे लिये।

७६
निबंध व्यंग्य कविता कार्टून
पुस्तक रचूं मैं
तुम्हारे लिये।

७७
धारावाहिक वीडियो यू-ट्यूब पाइपलाईन
फिल्म बनाऊं मैं
तुम्हारे लिये।

७८
सर्दी कड़ाकेदार हो गई
लोकतंत्र ठिठुर रहा
तुम्हारे लिये।

७९
कभी ओला हिमपात कभी,
बंजर पड़ा हूं,
तुम्हारे लिये।

८०
फायकूमय फेसबुक हमारा, बना
फेसबुकियों का सहारा
तुम्हारे लिये।

८१
सोऊं कि रोऊं मैं
आंखों को धोऊं
तुम्हारे लिये।

८२
मौसम बरफ हो रहा
बरफी हो जाये
तुम्हारे लिये।

८३
करतूतें महाबालिग की करूं
मैं बालिग हूं
तुम्हारे लिये।

८४
देख उतरे औक़ात पर
आपकी झाड़ू करामाती
तुम्हारे लिये।

८५
बरसात में ओढ़ी छतरियां
शहर बसाए हमने
तुम्हारे लिये

८६
टोपी झाड़ू बनी ताकतवर
बदल डाली सरकार
तुम्हारे लिये।

८७
भैंस के आगे ताली
उड़ते नहीं मच्छर
तुम्हारे लिये।

८८
बेईमानी बनी बेअसर अब
ईमानदारी मनाए खैर
तुम्हारे लिये।

८९
रिश्वत से हटा मोह
स्टिंग हो रहे
तुम्हारे लिये।

९०
चाय बेच रहे पीएम
बनने को आतुर
तुम्हारे लिये।

९१
आप से बढ़कर आप
ताप बना संताप
तुम्हारे लिये।

९२
आप आए बहार आई
सरकार बन आई
तुम्हारे लिये।

९३
सरकती रही उमर मेरी
सोचता रहा सब
तुम्हारे लिये।

९४
आपसे रचना मिली है
लिखी किसने है
तुम्हारे लिये।

९५
धरना पड़ेगा धन हां
धरती पर अब
तुम्हारे लिये।

९६
आपको लाया पब्लिक विश्वास
किया तुमने विश्वासघात
तुम्हारे लिये।

९७
सड़क पर मंतरी मारे
पुराना मंतरी कांपे
तुम्हारे लिये।

९८
करी कोशिश दिखी औकात
भगा नहीं सके
तुम्हारे लिये।

९९
दिखाई औकात घूंसा लात
दिखी असली जात
तुम्हारे लिये।

१००
रामलीला फिल्मी नहीं इमली
विवाद करा गई
तुम्हारे लिये।

अर्चना राज के १०० फायकू

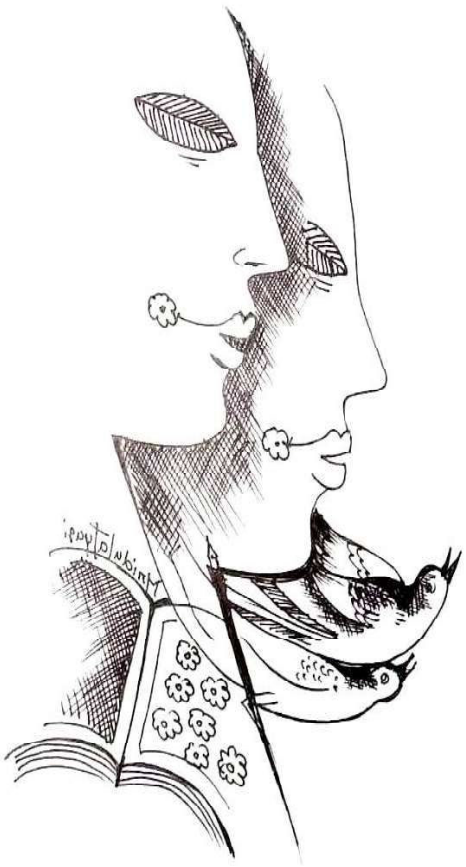

अर्चना राज

१
ज़िंदगी की शाम है
स्याह रातें भी
तुम्हारे लिये।

२
कोई पनघट का किनारा
अब तलक प्यासा
तुम्हारे लिये।

३
बाजरे की शक्ल में
कैद हैं मोती
तुम्हारे लिये।

४
जिस्म से बेज़ार हूं
इश्क हूं जीती
तुम्हारे लिये।

५
मुस्कुराहटें बेहिसाब हैं यहां
हौसले भी बहुत
तुम्हारे लिये।

६
आईना कमज़र्फ़ है अब
इश्क हैं नजरें
तुम्हारे लिये।

७
है रज़ामंदी तेरी तो
मैं बनू क़ातिल
तुम्हारे लिये।

८
माजूर है दिल मेरा
और सांसें भरी
तुम्हारे लिये।

९
जलता अलाव हूं मैं
सुलगती है रूह
तुम्हारे लिये।

१०
बुत हो जाने को
बेचैन हूं मैं
तुम्हारे लिये।

११
पत्थरों के ढेर पर
बिखरी हैं नज़्में
तुम्हारे लिये।

१२
ढूंढ लाती हैं सदा
यादें अब भी
तुम्हारे लिये।

१३
गुलदाउदी महक उठती है
अब भी बेसबब
तुम्हारे लिये।

१४
खुशबुओं की क़ैद है
मदहोशी है अंजाम
तुम्हारे लिये।

१५
लंबी सड़क सा जनाज़ा
गुज़रता रहा मेरा
तुम्हारे लिये।

१६
कहो तो कह दूं
कोई नहीं मैं
तुम्हारे लिये।

१७
सुनहरे शब्द कांपे है
हमारे नाम पर
तुम्हारे लिये।

१८
तमन्ना पास आने की
गुज़रने की तुम्हींसे
तुम्हारे लिये।

१९
उठाकर धूप का आंचल
ढका ख़्वाबों को
तुम्हारे लिये।

२०
गयी अब रात मतवाली
सुबह जागी है
तुम्हारे लिये।

२१
जी लेने को विवश
हो जाती हूं
तुम्हारे लिये।

२२
गुज़र जाऊं कभी हदसे
वो जुनून हूं
तुम्हारे लिये।

२३
स्याह रातों से लिखी
कविता हूं मैं
तुम्हारे लिये।

२४
हर तरफ़ था मौन
इबादत होती रही
तुम्हारे लिये।

२५
हर ज़र्रा है ख़ास
इबादत की ख़ातिर
तुम्हारे लिये।

२६
सांस जीती है यहां
संग बेचैनियों के
तुम्हारे लिये।

२७
बड़ा आसान सफ़र है
होना है गुमशुदा
तुम्हारे लिये।

२८
शब्द-शब्द पिघलते रहे
होने को नज़्म
तुम्हारे लिये।

२९
खुशियों ने छेड़ी तान
सुबह गुनगुना रही
तुम्हारे लिये।

३०
सफ़र हुआ है शुरू
दूर मंज़िल नहीं
तुम्हारे लिये।

३१
बहुत पाक है रिश्ता
मां बच्चे का
तुम्हारे लिये।

३२
न रौंदों तुम इसे
मासूम है बचपन
तुम्हारे लिये।

३३
सम्मान आंखों में है
हैसियत में नहीं
तुम्हारे लिये।

३४
दर्द होता है बहुत
हिमालय को भी
तुम्हारे लिये।

३५
शिक्षा इक वरदान है
अक्षर सारा ज्ञान
तुम्हारे लिये।

३६
रात कितनी हो स्याह
सुबह ज़रूर होगी
तुम्हारे लिये।

३७
रोज़ नया संघर्ष है
मुश्किल पूरे वर्ष
तुम्हारे लिये।

३८
आसमां रोया बहुत है
धूप सा होकर
तुम्हारे लिये।

३९
सबसे बड़ी इबादत है
करना बस कर्तव्य
तुम्हारे लिये।

४०
संसद का ये सत्र है
नहीं कोई मैदान
तुम्हारे लिये।

४१
बारिश इक नज़्म है
ठंडक इक शेर
तुम्हारे लिये।

४२
घुंघरू बंधन से थे
पायल मुस्कान है
तुम्हारे लिये।

४३
पीतल की थाप पर
मस्तियां बिखर उठीं
तुम्हारे लिये।

४४
दर्द अभी ज़िंदा है
अश्क बेशक मौन
तुम्हारे लिये।

४५
मैं यहां बाज़ार हूं
बेचती हूं सब
तुम्हारे लिये।

४६
कसमसाती साड़ियों में चीख़ती
मजबूरीयों का सिलसिला
तुम्हारे लिये।

४७
आईना हर रोज़ ही
तकता रहा मुझको
तुम्हारे लिये।

४८
दूर तक दहलीज़ है
और पत्थर पांव
तुम्हारे लिये।

४९
इक अदा ख़्वाहिश की
इक दुआ की
तुम्हारे लिये।

५०
दिल मेरा सहमा हुआ
भीगते पन्नों सा
तुम्हारे लिये।

५१
सर्द आहों से सिहरकर
गूंजती है रात
तुम्हारे लिये।

५२
मौन बड़ा बेज़ार है
तैरते कुछ शब्द
तुम्हारे लिये।

५३
संदली सांसों कि खुशबू
ज़ज़्ब है मुझमें
तुम्हारे लिये।

५४
रात आधी चांद रूठा
इक ग़ज़ल जीकर
तुम्हारे लिये।

५५
करके मौसम का बहाना
रुक गयी हूं
तुम्हारे लिये।

५६
अब करो कुछ शर्म
हैं इंसान सब
तुम्हारे लिये।

५७
ज़लज़ला उठने लगा है
सोच में सबके
तुम्हारे लिये।

५८
रात भर बच्चे बिलखते
श्राप देता मन
तुम्हारे लिये।

५९
कर्ज़ का है बोझ
भारी ज़िंदगी पर
तुम्हारे लिये।

६०
एक बुत मंदिर में
इक बैठा सड़क
तुम्हारे लिये।

६१
ये मेरी तक़दीर है
कि मैं नहीं
तुम्हारे लिये।

६२
चाह लो जो तुम
मैं बनूं दुल्हन
तुम्हारे लिये।

६३
द्रौपदी कलयुग में भी
बस द्रौपदी है
तुम्हारे लिये।

६४
राह का पत्थर हूं
नहीं साहिल कोई
तुम्हारे लिये।

६५
मां नहीं होती मेरी
अभिशाप सा सच
तुम्हारे लिये।

६६
ज़िंदगी न कर शिक़ायत
हूं अभी ज़िंदा
तुम्हारे लिये।

६७
मत करो तुम भ्रूणहत्या
जन्मना है मुझे
तुम्हारे लिये।

६८
बेटियां भी हैं अमानत
उस खुदा की
तुम्हारे लिये।

६९
गुनगुनी सी धूप है
और हैं मदहोशियां
तुम्हारे लिये।

७०
दिल मेरा सज़दा करे
हर रात-दिन
तुम्हारे लिये।

७१
आईने में अक़्स है
या ख़्वाब टूटे
तुम्हारे लिये।

७२
डूबकर चाहा तुम्हें या
चाहकर डूबी यहां
तुम्हारे लिये।

७३
इन दरो-दीवार में
गूंजते हैं नग़मे
तुम्हारे लिये।

७४
भूख ने तोड़ा तुम्हें
रोने लगी इंसानियत
तुम्हारे लिये।

७५
पीड़ा भी उमड़ी है
अश्क लगे बहने
तुम्हारे लिये।

७६
उम्र भर तन्हाइयों का
सिलसिला चलता रहा
तुम्हारे लिये।

७७
रात भर इक प्रश्न
जलता रहा मुझमें
तुम्हारे लिये।

७८
अलमारियां अब मौन हैं
करती हैं इंतज़ार
तुम्हारे लिये।

७९
आज सूनापन भी सहमा
थम गई तारीख़
तुम्हारे लिये।

८०
आज गुज़रे वर्ष चार
रो पड़ा दिल
तुम्हारे लिये।

८१
आज याद आए बहुत
रो पड़ा दिल
तुम्हारे लिये।

८२
क़ैद हूं तन्हाइयों में
बन के साया
तुम्हारे लिये।

८३
जश्न मे डूबी इबादत
कुफ़्र है मानो
तुम्हारे लिये।

८४
चांद तुम रहना सजग
चांदनी बेकल बड़ी
तुम्हारे लिये।

८५
सीप में मोती पले
दीप में ज्योति
तुम्हारे लिये।

८६
हो हिमालय या समंदर
हैं सभी प्रतिमूर्ति
तुम्हारे लिये।

८७
खोज डाला इत्र को
करके यूं संधान
तुम्हारे लिये।

८८
देश का दर्शन बनो
गीता या कुरान
तुम्हारे लिये।

८९
शांति की अवधारणा है
और मोहक गान
तुम्हारे लिये।

९०
मुक्ति गूंजी पत्थरों से
कांप उठा ब्रह्मांड
तुम्हारे लिये।

९१
शांति का बनकर मसीहा
आओ करूं आग़ाज़
तुम्हारे लिये।

९२
अग्निगर्भा से उदय हो
क्रांति का अवतार
तुम्हारे लिये।

९३
बेटियां सम्मान हैं और
शान भी अब
तुम्हारे लिये।

९४
दिल मेरा ग़मग़ीन है
पर शब्द सूखे
तुम्हारे लिये।

९५
पत्थरों मे भी नमी
दरिया में सीपी
तुम्हारे लिये।

९६
हो इश्क तुम रूहानी
सज़्दा है आसमानी
तुम्हारे लिये।

९७
छत मेरी खपरैल की
और सेज दरिया
तुम्हारे लिये।

९८
पगडंडियां भी जंग हैं
इन बैसाखियों में
तुम्हारे लिये।

९९
कुछ गुलाबी ख़तों में
इश्क ज़िंदा है
तुम्हारे लिये।

१००
यादें क़ाफ़िले सी हैं
दर्द कांटों सा
तुम्हारे लिये।

आशा पाण्डे ओझा 'आशा' के १०० फायकू

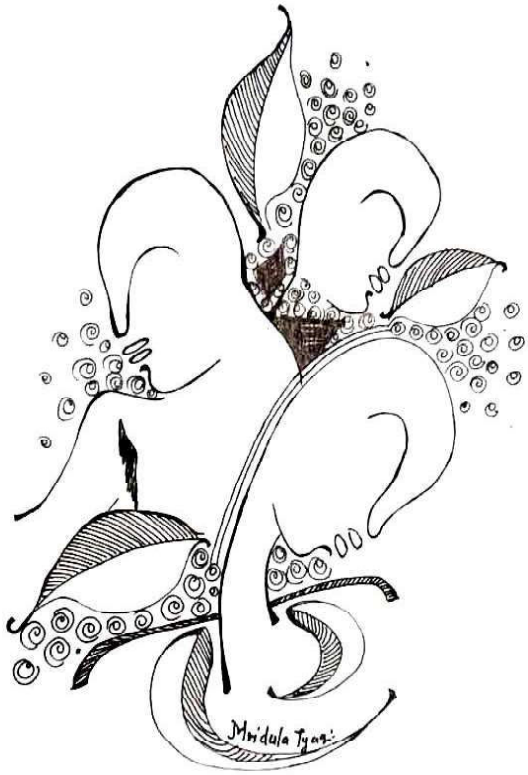

आशा पाण्डे ओझा 'आशा'

१
जो तुम आवाज़ दो
दौड़ी चली आऊं
तुम्हारे लिये।

२
जलती हुई सुबह बुझाऊं
सांझ को मनाऊं
तुम्हारे लिये।

३
आज भी जल रहा
दिया इन्तज़ार का
तुम्हारे लिये।

४
तुम हो ज़िंदगी मेरी
हम क्या हैं
तुम्हारे लिये।

५
गुज़ारी तमाम ज़िंदगी मैंने
तुम बिन भी
तुम्हारे लिये।

६
उम्र भर की उदासी
नीगाहों में तलाश
तुम्हारे लिये।

७
सारे बंधन तोड़ दूं
जीना छोड़ दूं
तुम्हारे लिये।

८
तेरा हर ग़म मेरा
मेरी हर खुशी
तुम्हारे लिये।

९
नदी बहे बादल बरसे
बाग बगीचे सरसे
तुम्हारे लिये।

१०
चांद चांदनी नदी किनारा
सब मेरे, मैं
तुम्हारे लिये।

११
डर नहीं ज़माने का
चुप हूं महज़
तुम्हारे लिये।

१२
यूं तो नास्तिक हूं
पूजती हूं ईश्वर
तुम्हारे लिये।

१३
मौत से लड़ जाऊं
हर गम उठाऊं
तुम्हारे लिये।

१४
अंधेरे हों मेरे लिये
रोशनी पग पग
तुम्हारे लिये।

१५
दिल खिलोने से तोड़ना
कितना आसान था
तुम्हारे लिये।

१६
मेहनत करो मंज़िल पाना
आसन हो जाएगा
तुम्हारे लिये।

१७
कोरी कोरी आंखों में
कोई ख़्वाब सजाऊं
तुम्हारे लीये

१८
धूप हो तुम्हरे सिरहाने
साया बन जाऊं
तुम्हारे लिये।

१९
धरती अम्बर काग़ज़ बना
प्रेम गीत लिखूं
तुम्हारे लिये।

२०
नफ़स नफ़स में बेक़रारी
आंखों की खुमारी
तुम्हारे लिये।

२१
अब तक था क़रार
हुआ दिल बेक़रार
तुम्हारे लिये।

२२
वतन के क्या माने
बता ऐ नौजवान
तुम्हारे लिये।

२३
भूखे की भूख के
क्या माने हैं
तुम्हारे लिये।

२४
जांत-पांत नफ़रत विहीन
हो सुन्दर संसार
तुम्हारे लिये।

२५
मेरा तन मन धन
ऐ मेरे वतन
तुम्हारे लिये।

२६
जानती हूं अधूरी है
ज़िंदगी, मेरे बिना
तुम्हारे लिये।

२७
सारी दुनिया दुश्मन हुई
जब मैं बोली
तुम्हारे लिये।

२८
जमाना मुझे क्या ठुकराएगा
मैं ठुकराऊं जमाना
तुम्हारे लिये।

२९
ऐ हुश्न ठीक नहीं
यूं बेपर्दा होना
तुम्हारे लिये।

३०
बिंदिया, काजल, चूड़ी, पायल
सजाया रूप अनूप
तुम्हारे लिये।

३१
जो ठान लो तुम
क्या है मुशिकल
तुम्हारे लिये।

३२
थमी सी ज़िंदगी मगर
चलती रही धड़कने
तुम्हारे लिये।

३३
हर अहसास तुम्हारे लिये
हर एक आस
तुम्हारे लिये।

३४
पथरीली पगडंडियों पर बिछाऊं
दुआओं का मखमल
तुम्हारे लिये।

३५
जो सचमुच हो इंसान
ज़रूरी है इंसानियत
तुम्हारे लिये।

३६
चलो वक्त के साथ
नहीं रुकेगा वक्त
तुम्हारे लिये।

३७
बूढ़ा हुआ जीवन पेड़
मन शाखाएं हरी
तुम्हारे लिये।

३८
मत बैठ भाग्य भरोसे
यह नहीं उचित
तुम्हारे लिये।

३९
दौलत नहीं ऐ मनुज
इज़्ज़त जरूरी है
तुम्हारे लिये।

४०
विष बन जाएगी देखना
नशे की लत
तुम्हारे लिये।

४१
आंखें नशे का घोल
लरज़ते से बोल
तुम्हारे लिये।

४२
रात की चादर पर
चांद का तकिया
तुम्हारे लिये।

४३
खुशी की तरंग हो
उत्साह, उमंग हो
तुम्हारे लिये।

४४
पारस बन चमको सदा
मेरा यह आशीष
तुम्हारे लिये।

४५
आनंद की लहर हो
सुख का किनारा
तुम्हारे लिये।

४६
धूप कोई कैसे जलाएगी
आशीषों की छांव
तुम्हारे लिये।

४७
रेशमी शब्दों से बुनी
एक मुलायम दुनिया
तुम्हारे लिये।

४८
जिसको तुमने सागर समझा
रचा उसने सहरा
तुम्हारे लिये।

४९
भ्रूण हत्यारों खुदा बनाये
ख़ंजरों का जंगल
तुम्हारे लिये।

५०
विष को अमृत मान
पी गई मैं
तुम्हारे लिये।

५१
जान गई हूं ख़ुदा !
आदमी खिलौना है
तुम्हारे लिये।

५२
दुआ है निर्जन रेगिस्तान
बन जाये गुलिस्तां
तुम्हारे लिये।

५३
कभी सोचा नहीं था
हम इतना सोचेंगे
तुम्हारे लिये।

५४
रोती आंखें हंस पड़ी
हर ग़म भूला
तुम्हारे लिये।

५५
बो रहे सियासी किसान
बीज नफ़रतों के
तुम्हारे लिये।

५६
मुद्दतों बाद खोले आज
खिड़की दरवाज़े सिर्फ़
तुम्हारे लिये।

५७
वतन हित ठीक नहीं
गुनहगारों से दोस्ती
तुम्हारे लिये।

५८
गुनगुना रही मेरे साथ
पोष की रात
तुम्हारे लिये।

५९
उनको भी फूल देना
जो बिछाए अंगार
तुम्हारे लिये।

६०
मन ज़मीं गीली मिली
कोई रोया आशा
तुम्हारे लिये।

६१
समुद्र हुई जाती आंखें
सहरा मन की
तुम्हारे लिये।

६२
झर रही शबनम
छिटक रही चांदनी
तुम्हारे लिये।

६३
सब्ज़ी नहीं आज खुशियां
ख़रीदना चाहती हूं
तुम्हारे लिये।

६४
सरहदों पर तैनात फ़ौजी
अपनों से दूर
तुम्हारे लिये।

६५
प्रकृति की अद्भुत छटा
बिखेर रही सौंदर्य
तुम्हारे लिये।

६६
ढोल, मजीरा चंग, मृदंग
बीता हुआ ज़माना
तुम्हारे लिये।

६७
नित नूतन शृंगार सजाकर
सजती प्रकृति दुल्हन
तुम्हारे लिये।

६८
है युवा! आरक्षण है
बहुत बड़ी चुनौती
तुम्हारे लिये।

६९
माना दुष्कर बड़ी सदराह
पर है अमृतमयी
तुम्हारे लिये।

७०
जलाओ समझ की बत्तियां
ठीक नहीं अंधेरा
तुम्हारे लिये।

७१
अंधेरों का ख़ौफ़ क्यों
फिर होगी सहर
तुम्हारे लिये।

७२
हम तुम्हे कहते ज़िंदगी
ना आश्ना हम
तुम्हारे लिये।

७३
इस तल्ख़ ज़बां ने
पहन रखी ख़ामोशी
तुम्हारे लिये।

७४
प्रतीक्षा की सुई में
पिरोई हुई आंखें
तुम्हारे लिये।

७५
बावरा हुआ हृदय अधीर
नयनों में नीर
तुम्हारे लिये।

७६
शब्द जाने कहां गुम
जब लिखने बैठी
तुम्हारे लिये।

७७
उन पलों की स्मृतियां
भरती अनुराग मुझमें
तुम्हारे लिये।

७८
सुनाया जो दर्द अपना
असह्य हो जायेगा
तुम्हारे लिये।

७९
अश्रु जल से धोती
हृदय मंदिर अपना
तुम्हारे लिये।

८०
जो तुम बनो गिरधर
मैं मीरा बनूं
तुम्हारे लिये।

८१
सन्नाटा घुला खामोश फ़िज़ां
ख़यालों का आवेग
तुम्हारे लिये।

८२
कांटे फूल हो जायें
राहें मख़मल बिछायें
तुम्हारे लिये।

८३
फ़क़ीर ने खोल दी
दुआ की झोली
तुम्हारे लिये।

८४
बदला है सब कुछ
नहीं बदली मैं
तुम्हारे लिये।

८५
दर्द की बज़्म में
आंसू पढ़ते नज़्म
तुम्हारे लिये।

८६
उज्ज्वल धवल चांदनी बोऊं
कलुष उखाड़ दूं
तुम्हारे लिये।

८७
मन दीवारों पर चिपका
मैल झाड़ दूं
तुम्हारे लिये।

८८
आंतक की चिलचिलाती धूप
शीतल आड़ दूं
तुम्हारे लिये।

८९
ऊंच, नीच, जांत, पांत
गहरे गाड़ दूं
तुम्हारे लिये।

९०
वतन अहित के सारे
अध्याय फाड़ दूं
तुम्हारे लिये।

९१
ऐ वतन के पासबां
वतन के नौजवां
तुम्हारे लिये।

९२
चुनरिया रंगदार सोलाह शृंगार
चौखट पर इंतज़ार
तुम्हारे लिये।

९३
अम्न मांगती मेरी ज़बां
ऐ मेरे हिन्दुस्तां
तुम्हारे लिये।

९४
जी करता फिर छेड़ूं
नगम ओ नैकां
तुम्हारे लिये।

९५
मिटेगी रात की स्याही
दमकती सुबह आयेगी
तुम्हारे लिये।

९६
ना नफ़रत के ज़लज़ले
न जुल्मते जंग
तुम्हारे लिये।

९७
नर्म नज़्म ज़ज़्बात की
रच रही हूं
तुम्हारे लिये।

९८
ऐ हिम्मत! थम जायेंगे
दरिया के तलातुम
तुम्हारे लिये।

९९
पुरवा के होंठों पर
मुग्ध मुग्ध सन्देश
तुम्हारे लिये।

१००
सर्द हवाओं में तेज़ी
बुनूं एक स्वेटर
तुम्हारे लिये।

रश्मि अभय के १०० फायकू

रश्मि अभय

१
ज़िंदगी की सारी तमन्नाएं
मेरी हर आरजू
तुम्हारे लिये।

२
मेरा ये रूप शृंगार
मेरा सजना संवरना
तुम्हारे लिये।

३
ग़म से ना घबराना
खुशियां मेरी सारी
तुम्हारे लिये।

४
तुम मेरी पूरी क़िताब
मैं एक पन्ना
तुम्हारे लिये।

५
ज़िंदगी का रास्ता तुम
मैं एक राही
तुम्हारे लिये।

६
भूल जाओगे गर मुझे
ख़ामोश हो जाऊंगी
तुम्हारे लिये।

७
कभी शिक़वा नहीं किया
ज़हर भी पिया
तुम्हारे लिये।

८
ज़िंदगी की राहों में
साथ साथ चलेंगे
तुम्हारे लिये।

९
जिन राहों पर चलो
उनपर फूल बिछाऊं
तुम्हारे लिये।

१०
दर्द दिल में दबाये
जिया किए हम
तुम्हारे लिये।

११
जी भर के रोये
हर दर्द छुपाया
तुम्हारे लिये।

१२
तुम को क्या बतलाएं
कितने ज़ुल्म उठाए
तुम्हारे लिये।

१३
तुम आसमां के चांद
मैं एक ज़र्रा
तुम्हारे लिये।

१४
आंसुओं को पी कर
हर ज़ख़्म सहलाया
तुम्हारे लिये।

१५
दर्द के अंधेरों में
मैं हूं रश्मि
तुम्हारे लिये।

१६
ना चांदनी ना रागिनी
मैं हूं संगिनी
तुम्हारे लिये।

१७
तुम साथ चलो मेरे
मैं हूं मंज़िल
तुम्हारे लिये।

१८
क़दम हो साथ मेरे
रास्ता हो आसां
तुम्हारे लिये।

१९
ज़ज़्ब कर रखा है
हर ग़म को
तुम्हारे लिये।

२०
तुम दरिया मैं मौज़
तुममें मिलना है
तुम्हारे लिये।

२१
सागर का हर किनारा
समा गया मुझमें
तुम्हारे लिये।

२२
सागर से जा मिली
बलखाती ये नदी
तुम्हारे लिये।

२३
तुम एक खुबसूरत तस्वीर
मैं एक चित्रकार
तुम्हारे लिये।

२४
ज़हर ये दर्द-ओ-गम का
पी लिया मैंने
तुम्हारे लिये।

२५
आंखों में कोई ख़्वाब
नहीं पलते अब
तुम्हारे लिये।

२६
मेरी दुआओं में शामिल
एक दुआ है
तुम्हारे लिये।

२७
हंसती मुस्कराती ये ज़िंदगी
और उसकी सदाएं
तुम्हारे लिये।

२८
पलकों के चिलमन से
ख़्वाब कई देखें
तुम्हारे लिये।

२९
तुझपर ना धूप आए
साया बन जाऊं
तुम्हारे लिये।

३०
खुशियों ने छेड़ी तान
सुबह गुनगुना रही
तुम्हारे लिये।

३१
प्रेम कलश छलक रहा है
इस अन्तर्मन में
तुम्हारे लिये।

३२
जीवन की हर पीड़ा
दबा रखी है
तुम्हारे लिये।

३३
ममता का ये सागर
उमड़ रहा है
तुम्हारे लिये।

३४
तुझ को आबाद किया
खुदको बर्बाद किया
तुम्हारे लिये।

३५
रौशन महफ़िल हुआ किए
अंधेरों में भटके
तुम्हारे लिये।

३६
तन मन धन सब
सौंप दिया है
तुम्हारे लिये।

३७
तू एक गहरा सागर
मैं बनूं किनारा
तुम्हारे लिये।

३८
ज़मीं से आसमां तक
भटका किए हम
तुम्हारे लिये।

३९
छोड़ बाबुल का घर
चली आई मैं
तुम्हारे लिये।

४०
पहचान दी है अपनी
नाम देके अपना
तुम्हारे लिये।

४१
शमा जलाए बैठे हैं
अंधेरी राहों में
तुम्हारे लिये।

४२
मेरे दिल का दर्द
बन गई खुशी
तुम्हारे लिये।

४३
मेरी नींद मेरे ख़्वाब
अब सबकुछ है
तुम्हारे लिये।

४४
मिटना ही नसीब है
तो मिट जायेंगे
तुम्हारे लिये।

४५
इस दिल से पुछो
क्यूं धड़कता है
तुम्हारे लिये।

४६
थकन पाओं में लिये
चलते रहे हैं
तुम्हारे लिये।

४७
सज़दे में सर झुकाया
परस्तिस की है
तुम्हारे लिये।

४८
तेज़ रफ़्तार राहें भी
रुकी हुई हैं
तुम्हारे लिये।

४९
हम दिल का दीया
जलाए बैठे हैं
तुम्हारे लिये।

५०
ख़ुद को बर्बाद किया
नया आग़ाज़ किया
तुम्हारे लिये।

५१
तुम्हारा प्यार गहरा सागर
मैं निर्मल नदी
तुम्हारे लिये।

५२
बेटी एक अनमोल रत्न
देती हर कुर्बानी
तुम्हारे लिये।

५३
बहू होती बेटी समान
पीहर छोड़ आती
तुम्हारे लिये।

५४
ज़माने की हर रवायतें
तोड़ी हैं मैंने
तुम्हारे लिये।

५५
जिधर देखूं तुम्हें देखूं
नज़रें हैं मेरी
तुम्हारे लिये।

५६
दिल की हर धड़कन
आवाज़ देती है
तुम्हारे लिये।

५७
सारी दुश्वारियों के बाद
ज़िंदा हूं मैं
तुम्हारे लिये।

५८
जुदा होके जाना मैंने
मैं क्या थी
तुम्हारे लिये।

५९
तुम मुझे भूल जाओगे
कितना मुश्किल है
तुम्हारे लिये।

६०
शबा ख़ैर कहते हैं
सुकून भरी नींद
तुम्हारे लिये।

६१
तुम जो कह दो
तारे तोड़ लाऊं
तुम्हारे लिये।

६२
मंदिर की ये ध्वनियां
दुआएं ला रही हैं
तुम्हारे लिये।

६३
खिलखिला रही है ज़िंदगी
हर मोड़ पर
तुम्हारे लिये।

६४
ये मासूम सी मुस्कान
लबों पर है
तुम्हारे लिये।

६५
ये सारे दर्दों अलम
सह लूंगी मैं
तुम्हारे लिये।

६६
वफ़ा की सख़्त राहें
तय कर लूंगी
तुम्हारे लिये।

६७
ज़मीं से आसमां तक
सारे नज़ारे हैं
तुम्हारे लिये।

६८
तुम जो मुस्कुरा दो
ज़ख़्मों को सहलाऊं
तुम्हारे लिये।

६९
वफ़ा की राहों में
कांटों को चुनूं
तुम्हारे लिये।

७०
सूर्य की हर किरण
तम को भगाए
तुम्हारे लिये।

७१
रश्मि हूं सूरज की
मगर जलती हूं
तुम्हारे लिये।

७२
एक दर्द जगा है
दिल के अंदर
तुम्हारे लिये।

७३
जा रहे हो कहां
मंज़िल यहीं है
तुम्हारे लिये।

७४
मैं शमा महफ़िल की
हर रात जली
तुम्हारे लिये।

७५
यूं ना जाओ छोड़कर
मर जाऊंगी मैं
तुम्हारे लिये।

७६
दीया संग जैसे बाती
वैसी हूं मैं
तुम्हारे लिये।

७७
तारों का ये कारवां
हमेशा साथ हैं
तुम्हारे लिये।

७८
चांद तारे फूल खुशबू
ये सारे नज़ारे
तुम्हारे लिये।

७९
सांसों का ये काफ़िला
रुका है सिर्फ़
तुम्हारे लिये।

८०
देखूं तुम्हारी भोली सूरत
आंखें हैं मेरी
तुम्हारे लिये।

८१
सूर्य की ये रश्मि
जलती है मगर
तुम्हारे लिये।

८२
ग़र तुम आईना बनो
शृंगार करूं मैं
तुम्हारे लिये।

८३
सुन मेरे महबूब सुन
जिंदा हूं मैं
तुम्हारे लिये।

८४
ज़हर का हर घूंट
पिया है मैंने
तुम्हारे लिये।

८५
मैं सूर्य की किरण
जलती बुझती रहती
तुम्हारे लिये।

८६
दुआ है ये हमारी
चांद रौशन रहे
तुम्हारे लिये।

८७
खुशियों ने छेड़ी तान
सुबह गुनगुना रही
तुम्हारे लिये।

८८
सूर्य की रश्मियां आईं
इंद्रधनुषी रंगो में
तुम्हारे लिये।

८९
लिखूं दो चार फायकू
बने एक कविता
तुम्हारे लिये।

९०
एक दो तीन चार
सब पंक्तियां हैं
तुम्हारे लिये।

९१
पल पल झरते झरने
बने आंसू मेरे
तुम्हारे लिये।

९२
ख़्वाब देखूं ख़्वाब सजाऊं
दुनिया रंगीन बनाऊं
तुम्हारे लिये।

९३
रात दिन सुबह शाम
करती हूं प्रार्थना
तुम्हारे लिये।

९४
कविता कहानी गीत ग़ज़ल
बता क्या लिखूं
तुम्हारे लिये।

९५
धूप ओढ़ूं कि छांव
क्या क्या ओढ़ूं
तुम्हारे लिये।

९६
यहां वहां जहां तहां
सब जगह भटकूं
तुम्हारे लिये।

९७
दुनिया वीरान सही मगर
मैं सजूं संवरूं
तुम्हारे लिये।

९८
तुम आओ महबूब मेरे
करूं दीया बाती
तुम्हारे लिये।

९९
देव तुम छोड़ गए
मैं कैसे जिऊं
तुम्हारे लिये।

१००
हंसना रोना सब समर्पित
मैं हुई विरक्त
तुम्हारे लिये।

अमन कुमार त्यागी के १०० फायकू

अमन कुमार त्यागी

१.
गुनाहों की हर तरक़ीब
मुझे आज़माने दो
तुम्हारे लिये।

२.
जमाने भर की दुआ
तुम्हें देता हूं
तुम्हारे लिये।

३.
सच सबके सामने बोला
और पिट गया
तुम्हारे लिये।

४.
रात दिन, दिन रात
करता रहा काम
तुम्हारे लिये।

५.
यहां, वहां, जहां, तहां
खुद को ढूंढा
तुम्हारे लिये।

६.
तुम आओ ना आओ
हम तो आयेंगे
तुम्हारे लिये।

७.
मैंने कहा है फायकू
क्यों कहें हाईकू
तुम्हारे लिये।

८.
आज का दिन हुआ
तुम्हारे ही नाम
तुम्हारे लिये।

९.
जेब में नहीं कुछ
दिल राजा है
तुम्हारे लिये।

१०.
राजनीति हो गयी छलिया
नेता सब बेमाने
तुम्हारे लिये।

११.
रात हो गयी अंधियारी
जैसे भारतीय राजनीति
तुम्हारे लिये।

१२.
आसमान में कड़कती बिजली
बेतरतीब धड़कता दिल
तुम्हारे लिये।

१३.
मतदाताओं पीनी है चाय
संसद में जाकर
तुम्हारे लिये।

१४.
मैं करता हूं प्यार
बार बार यार
तुम्हारे लिये।

१५.
जवां दिलों की धड़कन
बेमतलब तो नहीं
तुम्हारे लिये।

१६.
दिल विल प्यार व्यार
सब हैं बेकरार
तुम्हारे लिये।

१७.
मुझे जल्दी करने दो
धैर्य छोड़ दिया
तुम्हारे लिये।

१८.
दारू दारू करता है
दीवाना जमकर पीता
तुम्हारे लिये।

१९.
दोहा चौपाई गीत ग़ज़ल
कुछ भी लिखूं
तुम्हारे लिये।

२०.
नव प्रभात नव बेला
शुभ शुभ हो
तुम्हारे लिये।

२१.
कमाल हो गया जब
मिला साथ तुम्हारा
तुम्हारे लिये।

२२.
सच कहूं रात सोया
नहीं जागता रहा
तुम्हारे लिये।

२३.
सपने में भी आते
फायकू निराले निराले
तुम्हारे लिये।

२४.
जीतकर हार जाता हूं
हारकर जीतता हूं
तुम्हारे लिये।

२५.
हो गयी है पीर
पर्वत सी विशाल
तुम्हारे लिये।

२६.
ज़िन्दगी बहुत है मगर
खुशियां दो चार
तुम्हारे लिये।

२७.
कविता रसीली है मगर
फायकू सी कहां
तुम्हारे लिये।

२८.
कवियों फायकू कहो यह
मजे से भरपूर
तुम्हारे लिये।

२९.
नैट वैट गैट जैट
सब के सब
तुम्हारे लिये।

३०.
आज फिर कहना है
फायकू दो चार
तुम्हारे लिये।

३१.
रोके से रुके नहीं
फायकू आते जायें
तुम्हारे लिये।

३२.
दर दर भटकता रहा
जीवन आस में
तुम्हारे लिये।

३३.
तुम्हारी चाहत कमाल है
मयखाने भी गया
तुम्हारे लिये।

३४.
क्यों घबराते रात से
होगी सुबह भी
तुम्हारे लिये।

३५.
दो वक़्त की रोटी
जुगाड़ करके लाया
तुम्हारे लिये।

३६.
साम दाम दण्ड भेद
क्या अपनाऊं मैं
तुम्हारे लिये।

३७.
दरो दीवार बोलते हैं
इतिहास बनता है
तुम्हारे लिये।

३८.
लिखता और पढ़ता हूं
ख़त बार बार
तुम्हारे लिये।

३९.
आ बैठ मेरे पास
तुझे देखता रहूं
तुम्हारे लिये।

४०.
चिढ़ने वाले चिढ़ा करें
हम फायकू लिखेंगे
तुम्हारे लिये।

४१.
मुस्कराता हूं हर दम
गीत गाता हूं
तुम्हारे लिये।

४२.
तुम मेरी ताक़त हो
परन्तु मैं जिया
तुम्हारे लिये।

४३.
फायकू लाया हूं मैं
सस्ते और महंगे
तुम्हारे लिये।

४४.
जो कहना हो कहो
मज़ाक मज़ाक नहीं
तुम्हारे लिये।

४५.
लड़ो लड़ाई मगर इतनी
विचार विचार रहें
तुम्हारे लिये।

४६.
लिखूंगा फायकू रात को
मैं चला घर
तुम्हारे लिये।

४७.
आज हुआ गंगा स्नान
स्वच्छता का अभियान
तुम्हारे लिये।

४८.
जलने की बात नहीं
मैं दुनिया जलाऊं
तुम्हारे लिये।

४९.
नहीं करेंगे कोई शिक़ायत
हम जी लेंगे
तुम्हारे लिये।

५०.
मुझे फैन बना लो
दूंगा ठण्डी हवा
तुम्हारे लिये।

५१.
जेबक़तरों हो जाओ निडर
आ गई पुलिस
तुम्हारे लिये।

५२.
मिट्टी के खिलौने हैं
मिट्टी में मिलेंगे
तुम्हारे लिये।

५३.
जिस्म कहीं रुह कहीं
बिखरा हूं कितना
तुम्हारे लिये।

५४.
ग़म के आंसू सवादिष्ट
बना लिये मैंने
तुम्हारे लिये।

५५.
रास्ते का हर पत्थर
अहिल्या नहीं होता
तुम्हारे लिये।

५६.
धर्म कर्म शर्म सब
छोड़ दी हैं
तुम्हारे लिये।

५७.
दिल जिग़र नज़र सब
बेक़रार हैं अब
तुम्हारे लिये।

५८.
इधर की उधर करूं
कहो क्या करूं
तुम्हारे लिये।

५९.
खर है या खरदूषण
जान देता है
तुम्हारे लिये।

६०.
देख के मुस्करा दिये
समझे फ़िदा हैं
तुम्हारे लिये।

६१.
अंधेर नगरी चौपट राजा
कैसे जान बचाऊं
तुम्हारे लिये।

६२.
सर पे रखा कफ़न
अब मरने दो
तुम्हारे लिये।

६३.
कोई तो विचार दो
तुम्हारा बन सकूं
तुम्हारे लिये।

६४.
रहगुज़र अब होगी कैसे
रहजन खड़े हैं
तुम्हारे लिये।

६५.
वो पत्रकार बड़ा है
लिखता है ख़बर
तुम्हारे लिये।

६६.
क़लमकार के दुश्मन भी
सहारा क़लम का
तुम्हारे लिये।

६७.
रंगों का बहारों का
हर इक मौसम
तुम्हारे लिये।

६८.
लालची पास ना बैठाओ
ख़तरा बन जाये
तुम्हारे लिये।

६९.
चोर ज़ार और ठग
लगा रहे घात
तुम्हारे लिये।

७०.
ज़िंदगी न हो मोहताज़
ख़याल जरूरी है
तुम्हारे लिये।

७१.
सुबह सुबह आया हूं
फायकू लाया हूं
तुम्हारे लिये।

७२.
जुगनू हूं टिमटिमाता रहूंगा
रौशनी देता रहूंगा
तुम्हारे लिये।

७३.
ज़िन्दगी नाम चलने का
मैं तो रुका
तुम्हारे लिये।

७४.
नदी समंदर तक जायेगी
डूबा नदी में
तुम्हारे लिये।

७५.
आज़मा कर देख लो
बिखर गया हूं
तुम्हारे लिये।

७६.
उन्हें आज़माना नहीं कभी
निभाने जो रिश्ते
तुम्हारे लिये।

७७.
हसरत थी कुछ करूं
फुर्सत नहीं अब
तुम्हारे लिये।

७८.
मौत को दग़ा दी
साथ निभाना है
तुम्हारे लिये।

७९.
हो जाये इन्टरनेट ख़राब
हो जाऊं परेशान
तुम्हारे लिये।

८०.
कल कल करती नदी
ऊंचे ऊंचे पहाड़
तुम्हारे लिये।

८१.
दुनिया एक दिन समझेगी
मेरी भाषा हिंदी
तुम्हारे लिये।

८२.
पहाड़ों से टकरा गया
समन्दर में बहा
तुम्हारे लिये।

८३.
खेले हम आंख मिचौली
भर भर कोली
तुम्हारे लिये।

८४.
उसे गुमान बहुत है
डरता नहीं कभी
तुम्हारे लिये।

८५.
लगातार ज़ार ज़ार हुआ
मगर टूटा नहीं
तुम्हारे लिये।

८६.
उसे माफ़ कर दो
जिसने मांगी माफ़ी
तुम्हारे लिये।

८७.
दिलकश अन्दाज़ है जिसका
उसका मैं आशिक
तुम्हारे लिये।

८८.
वो मेरा हितैषी नहीं
जो मुसीबत बने
तुम्हारे लिये।

८९.
नफ़रत करूं मैं कैसे
उम्र जी है
तुम्हारे लिये।

९०.
उसकी मजबूरी रही होगी
जो डूबा है
तुम्हारे लिये।

९१.
अल्लाह सलामत उसे रखना
जो चलता रहा
तुम्हारे लिये।

९२.
नींद कब की बिखरी
आंखों में ही
तुम्हारे लिये।

९३.
सदा देते रहे सदा
अब जाऊं कहां
तुम्हारे लिये।

९४.
जो खुलकर हंसा नहीं
नफ़रत दिल में
तुम्हारे लिये।

९५.
तुम्हारे आने की ख़बर
और घर खाली
तुम्हारे लिये।

९६.
सरदार है या असरदार
मगर है वो
तुम्हारे लिये।

९७.
दिलकश है मगर मग़रूर
हर अदा मंजूर
तुम्हारे लिये।

९८.
वो आयेगा एक दिन
मुझे है भरोसा
तुम्हारे लिये।

९९.
मेरा सबकुछ हो जाये
जो तू चाहे
तुम्हारे लिये।

१००.
सौ सुनाऊं उसे जो
तुझे एक कहे
तुम्हारे लिये।

सविता मिश्रा के ७५ फायकू

सविता मिश्रा

१
कंप्यूटर कीबोर्ड बनते रहो
स्कीम आई कई
तुम्हारे लिये।

२
तुम भले भूले हमको
हम जीते रहे
तुम्हारे लिये।

३
तुमको ख़्वाबों में देखते
बातें भी करते
तुम्हारे लिये।

४
मत समझना पागल है
याद में तेरी
तुम्हारे लिये।

५
यदि मुस्करा रहे हैं
हर मुस्कराहट नहीं
तुम्हारे लिये।

६
नज़र नज़र का फेर
हर नज़र नहीं
तुम्हारे लिये।

७
समुन्दर में डूबना था
चुल्लूभर में डूबे
तुम्हारे लिये।

८
सब शराब पीके बहकें
बहकें बिना पिये
तुम्हारे लिये।

९
तमाशाबीन हो गयी दुनिया
मुस्कराती रही बस
तुम्हारे लिये।

१०
फ़र्ज़ था जो निभाया
आगे भी निभाएंगे
तुम्हारे लिये।

११
इरादा अपना बता तो
ज़िन्दगी छोड़ दें
तुम्हारे लिये।

१२
बेदर्दों की दुनिया में
दर्द लिये फ़िरते
तुम्हारे लिये।

१३
तुम मेरे इंद्र हो
हम सूरज बने
तुम्हारे लिये।

१४
दूध फाटे दही बने
लस्सी की हमने
तुम्हारे लिये।

१५
वह बोले हमेशा कड़वा
शहद घोल बताएं
तुम्हारे लिये।

१६
सब के सब गिरगिट
रंग बदलते जायें
तुम्हारे लिये।

१७
राम नाम खूब जपा
नहीं समझ आये
तुम्हारे लिये।

१८
बस एक दीपक से
अंधियारा मिटाने चले
तुम्हारे लिये।

१९
चोट तू खाया दर्द
हमको ही हुआ
तुम्हारे लिये।

२०
गम के समुन्दर से
मोती चुने हम
तुम्हारे लिये।

२१
खेत खलिहान फैली हरयाली
यादों में तेरी
तुम्हारे लिये।

२२
ठानते कैसे ना हम
सम्मान जुड़ा था
तुम्हारे लिये।

२३
मुश्किल भले ही हो
रखना सम्मान था
तुम्हारे लिये।

२४
जीते थे कभी हम
मर भी जायें
तुम्हारे लिये।

२५
जंगलराज मचा हाहाकार चौतरफा
हम करेंगे कुछ
तुम्हारे लिये।

२६
आंखों में ख़्वाब सजाए हैं
कोई अपना आये
तुम्हारे लिये।

२७
राहों पर फूल बिछा दें
घरौंदा प्यारा बसा
तुम्हारे लिये।

२८
सूरज भले ही डूबा
हम नहीं डूबे
तुम्हारे लिये।

२९
भागते शोहरत के पीछे
हम अडिग खड़े
तुम्हारे लिये।

३०
बिछड़कर नहीं ज़िन्दा रहते
ज़िन्दा हैं हम
तुम्हारे लिये।

३१
मरें तो सुहागन मरें
चाहत है यही
तुम्हारे लिये।

३२
राम राम कहते आई
मंदिर में बस
तुम्हारे लिये।

३३
स्नान किया गंगा में
पापमुक्ति चाही बस
तुम्हारे लिये।

३४
आभार खेल क्यों खेलेंगे
आभार देते हम
तुम्हारे लिये।

३५
फायकू का नशा चढ़ा
हर कहीं दिखा
तुम्हारे लिये।

३६
खोयी यादों में तेरी
आंसू बहाती बस
तुम्हारे लिये।

३७
जग हंसा बस मैं रोई
ममता जागी बस
तुम्हारे लिये।

३८
भैया की लाडली ठहरी
किया सब कुछ
तुम्हारे लिये।

३९
पिता की आंखों का तारा
छोड़ा घर उनका
तुम्हारे लिये।

४०
तुम मेरे इंद्र हो
हम सूरज बनें
तुम्हारे लिये

४१
मां के कलेजे का
टुकड़ा सब छोड़ा
तुम्हारे लिये।

४२
फायकू की गुरु बनी
गुस्ताख़ी ना हो
तुम्हारे लिये।

४३
सूरज तुम कहते हमको
डूबे निकले फिर
तुम्हारे लिये।

४४
क्या करे दिल का
धड़कता है बस
तुम्हारे लिये।

४५
चाहा था सीखना आपसे
सोचा सीख लेंगे
तुम्हारे लिये।

४६
भला होता किसी का
कर देंगें हम
तुम्हारे लिये।

४७
पी लेंगे ज़ख़्मों दर्द
सह लेंगे सितम
तुम्हारे लिये।

४८
ज़िंदगी की जंग हम
लड़ेंगे मिलकर संग
तुम्हारे लिये।

४९
जूनून हो गया सवार
लिखूं कुछ खास
तुम्हारे लिये।

५०
जुड़ा मान सम्मान आपका
ठाने इसीलिये लिखेंगे
तुम्हारे लिये।

५१
तुम अगर चले गए
नहीं सोचना आउंगी
तुम्हारे लिये।

५२
छेड़ेंगे मनचले तुम्हें सरेआम
खूबसूरती ढकों जरा
तुम्हारे लिये

५३
बेपर्दा ना हो चलो
लफंगे हर कहीं
तुम्हारे लिये।

५४
चाहत थी देखो तुम
सोलह शृंगार किया
तुम्हारे लिये।

५५
कहीं मुख ना मोड़ना
दुनिया छोड़ आई
तुम्हारे लिये।

५६
मौत का रास्ता रोका
ढाल बनी बस
तुम्हारे लिये।

५७
महफिल सारी तुम सजाओ
खुशियां हम बटोरें
तुम्हारे लिये।

५८
रिश्ते नाते सब भूलूं
याद बस तुम्हारी
तुम्हारे लिये।

५९
मौत को दी मात
ज़िन्दगी की आस
तुम्हारे लिये।

६०
बहुत लड़ी मौत से
नहीं कोई पछतावा
तुम्हारे लिये।

६१
ज़िंदगी की छांव में
तुम्हारी बाहों में
तुम्हारे लिये।

६२
प्यारी आवाज़ तुम दो
क्यों ना आयें
तुम्हारे लिये।

६३
मन से पुकारों तो
खड़े मिलेंगे हम
तुम्हारे लिये।

६४
मौत से लड़ते रहे
ज़िंदगी की चाह
तुम्हारे लिये।

६५
काम करो हमारे लिये
अपयश मिलता है
तुम्हारे लिये।

६६
नेता डाक्टर का नाम
पुलिस ही बदनाम
तुम्हारे लिये।

६७
चाहत है हमारी लेखनी
गीत बन बहूं
तुम्हारे लिये।

६८
नहाना धोना भूल गयी
इंतज़ार करूं बस
तुम्हारे लिये।

६९
उकता गयी ज़िन्दगी से
जीऊं फिर भी
तुम्हारे लिये।

७०
रात दिन जागे हम
भर नैन नीर
तुम्हारे लिये।

७१
करना चाहा था बहुत
कर ना पाए
तुम्हारे लिये।

७२
गद्दारों को मार गिराएं
अ मेरे वतन
तुम्हारे लिये।

७३
नारियों को दोषी ठहरातें
चुप हैं हम
तुम्हारे लिये।

७४
जीने को है तैयार
दर्द में सही
तुम्हारे लिये।

७५
बोलने को कहते हैं
बोलें नहीं बस
तुम्हारे लिये।

७६
गहन सोच में थे
कुछ कर गुजरेंगे
तुम्हारे लिये।

७७
उधार ले ले जीते
अब और क्या
तुम्हारे लिये।

७८
बनिया खूब चिल्ला पड़ा
चुकता किया उधार
तुम्हारे लिये।

७९
तुम हमारी धड़कन बनो
हम दिल बसें
तुम्हारे लिये।

८०
मरने के बाद भी
पीछा ना छोड़ूं
तुम्हारे लिये।

८१
घर को ख़ूबसूरत किया
चाहत पूरी की
तुम्हारे लिये।

८२
दर्दे इश्क क्या है
पूछूं आशिक से
तुम्हारे लिये।

८३
फूल नारियल चढ़ा आई
मिन्नतें खूब कीं
तुम्हारे लिये।

८४
सभ्य थे हम कभी
असभ्य बन गये
तुम्हारे लिये।

८५
लक्ष्मण रेखा की पार
नहीं मानी हार
तुम्हारे लिये।

८६
तन मन धन चाहिए
तुम्हारे ही साथ
तुम्हारे लिये।

८७
करती दुनिया तुम्हारी बुराई
भृकुटी तानी हमने
तुम्हारे लिये।

८८
क्रोध की अति नहीं
शांत रहती बस
तुम्हारे लिये।

८९
भूख लगी फिर भी
इंतज़ार तेरा ही
तुम्हारे लिये।

९०
चोर चोर मौसेरे भाई
पकड़ें ही गये
तुम्हारे लिये।

९१
तुम जो चाहो सब
बनें हम बस
तुम्हारे लिये।

९२
कहने को बहुत कुछ
कहूं कैसे सब
तुम्हारे लिये।

९३
ख़याल आये बस तुम्हारा
करें हम क्या
तुम्हारे लिये।

९४
जिये जाएं हम बस
सह सुन के
तुम्हारे लिये।

९५
हमने स्वादिष्ट भोजन बनाया
मन लगा कर
तुम्हारे लिये।

९६
तुम्हारी पसंद का भोजन
देखो बनाया हमने
तुम्हारे लिये।

९७
टिका है हमारा भरोसा
तुमसे ही देखो
तुम्हारे लिये।

९८
आंखों में प्यार भरा
तुमने देखा क्या
तुम्हारे लिये।

९९
रात दिन गश्त करतें
सुख चैन को
तुम्हारे लिये।

१००
डरते रहें फिर भी
अंधेरे में खड़े
तुम्हारे लिये।

डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' के १०० फायकू

डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल'

१
खुद बनाएं हैं हमने
ये चाय पकौड़े,
तुम्हारे लिये।

२
एक मिलन आस में
सब काम छोड़ें
तुम्हारे लिये।

३
साथ मिल जाए बस
संग संग दौड़े
तुम्हारे लिये।

४
थक गये मित्र तुम,
तो मंगवाएं घोड़े
तुम्हारे लिये।

५
अपनी भरपूर है व्यस्तता
क्षण हैं थोड़े
तुम्हारे लिये।

६
गुनगुनाओ मेरे संग प्रिये
रचे गीत सारे
तुम्हारे लिये।

७
ईश्वर ने रची प्रकृति
ये चंदा तारे
तुम्हारे लिये।

८
फूल भंवरे और तितलियां
ये प्यारे प्यारे
तुम्हारे लिये।

९
पर्वतों से घिरी घाटियां
ये नदिया धारे
तुम्हारे लिये।

१०
छा गये आकाश में,
घन ये कारे
तुम्हारे लिये।

११
नित्य दर्शन करूं रामजी
दर पे आऊं
तुम्हारे लिये।

१२
सामने बैठकर एक भजन
मन से गाऊं
तुम्हारे लिये।

१३
अवसर सेवा करने का,
यूं ही पाऊं
तुम्हारे लिये।

१४
भोग प्रसाद सेवा हित
फल मैं लाऊं
तुम्हारे लिये।

१५
मेला देखो भरा हुआ
सब खेल खिलौने
तुम्हारे लिये।

१६
यह सरकस, तमाशा, नौटंकी
नर्तकी और बौने
तुम्हारे लिये।

१७
टिकिया, समोसे, जलेबी भरे
ये पत्ते-दोने
तुम्हारे लिये।

१८
कूकर, कड़ाही, तवा, चिमटा,
ये कटोरी भगौने
तुम्हारे लिये।

१९
कालीन, दरियां, कंबल, रिजाई
ये चादर बिछौने
तुम्हारे लिये।

२०
संग मिल बैठना चाहते
पार्टी का बहाना
तुम्हारे लिये।

२१
बिन तुम्हारे रहे अनमना
ये दिल दीवाना
तुम्हारे लिये।

२२
धड़कने दिल की सुनना
गा रही तराना
तुम्हारे लिये।

२३
साथ अपना रहेगा बना
सारा हंसना हंसाना
तुम्हारे लिये।

२४
सुनो राधिके बांसुरी बोलती
श्याम करता प्रतीक्षा
तुम्हारे लिये।

२५
आ रहीं सांवरे मैं
बांसुरिया को सुन
तुम्हारे लिये।

२६
योजनाएं सभी जनहित में
लागू करता शासन
तुम्हारे लिये।

२७
बाघ बस्ती में आए
डरे मेरा मन
तुम्हारे लिये।

२८
लड्डू, पूरी और मिठाई
रसगुल्ले संग बालूशाही
तुम्हारे लिये।

२९
धूम धड़ाका, बाजा गाजा
आया बांका दूल्हा राजा
तुम्हारे लिये।

३०
दूल्हा दुल्हन परिवार समूचा
करता मंगल पूजा
तुम्हारे लिये।

३१
रिश्ता, तिलक, सगाई, बधाई
चढ़त बारात विदाई
तुम्हारे लिये।

३२
हल्दी मेहंदी मंगल कारज
खूब सजावट सज-धज
तुम्हारे लिये।

३३
पर्वत, नदियां, झरने, वन
शांतिपूर्ण यह वातावरण
तुम्हारे लिये।

३४
ऊंचे लंबे वृक्ष सघन
मानो योगी तपस्यारत
तुम्हारे लिये।

३५
भरो उड़ान फैलाकर पर
विशाल नीला अंबर
तुम्हारे लिये।

३६
कल कल छल छल
नदिया का जल
तुम्हारे लिये।

३७
आम की यह फसल
इसके मीठे फल
तुम्हारे लिये।

३
पहुंच से हैं दूर
इसलिये खट्टे अंगूर
तुम्हारे लिये।

३९
बंगला, गाड़ी, साड़ी, जेवर,
सुंदर सा घर
तुम्हारे लिये।

४०
कीर्तन, व्रत, पूजा, हवन
शांति करते मन
तुम्हारे लिये।

४१
मत करो आंख नम
आ गये हम
तुम्हारे लिये।

४२
उसको कुछ भी कहो
हुआ वह दीवाना
तुम्हारे लिये।

४३
रिश्तों में सदा विश्वास
हृदय में प्यार
तुम्हारे लिये।

४४
एक बार तो मुस्काओ
जाएंगे सब हार
तुम्हारे लिये।

४५
होगी नहीं शिकायत कोई,
छोड़ें सभी विकार
तुम्हारे लिये।

४६
प्रीत की निराली रीत
दीवानी गाती गीत
तुम्हारे लिये।

४७
आ जाओ रे मनमीत
प्रतीक्षा में प्रीत
तुम्हारे लिये।

४८
वक्त रुकता कब भला
हम रुके हैं
तुम्हारे लिये।

४९
डालियों पर भरपूर फल
तरु झुके हैं
तुम्हारे लिये।

५०
सारे दीवाने दीदार को
आ चुके हैं
तुम्हारे लिये।

५१
भाइयों ने तेरे मारा
हम ठुके है
तुम्हारे लिये।

५२
टूटा अपना बेचारा दिल
और फुंके हैं
तुम्हारे लिये।

५३
कोई असुविधा न हो,
कोशिशें अपनी सारी
तुम्हारे लिये।

५४
खुश रहो हर समय
श्रम निरंतर जारी
तुम्हारे लिये।

५५
मुस्कराते हुए बोली दो
होंगे सब आभारी
तुम्हारे लिये।

५६
करते ईश्वर से प्रार्थना
सभी नर नारी
तुम्हारे लिये।

५७
चाल हिरनी सी देखकर
हुआ मन शिकारी
तुम्हारे लिये।

५८
भीगना मत बरसात में
लो यह छाता
तुम्हारे लिये।

५९
जाड़े मौसम ठंडक वाला
लो स्वेटर, मफलर
तुम्हारे लिये।

६०
खुद बनायी है हमने
यह स्पेशल चाय
तुम्हारे लिये।

६१
ये टोपी ये जूते
हमने ही मंगवाएं
तुम्हारे लिये।

६२
मन तो चाहता बहुत
कर न पाएं
तुम्हारे लिये।

६३
गोला बादाम खीर में
इलाइची व मुनक्का
तुम्हारे लिये।

६४
इनको खाओ स्वादिष्ट है
संग खाना पक्का
तुम्हारे लिये।

६५
भीड़ बेकाबू होने लगी
हो गयी धक्कम धक्का
तुम्हारे लिये।

६६
इसको रखना संभाले हुए
लो यह सिक्का
तुम्हारे लिये।

६७
गांव की दूरी बहुत
कर लिया इक्का
तुम्हारे लिये।

६८
दिल से एकबार पुकारो
झट दौड़ा आऊं
तुम्हारे लिये।

६९
लिस्ट वाट्सएप कर दीजिए
सामान घर भिजवाऊं
तुम्हारे लिये।

७०
ऑनलाइन सब मिल रहा
माल सारे बिकाऊ
तुम्हारे लिये।

७१
खुशबू वाला साबुन रगड़
रोज ही नहाऊं
तुम्हारे लिये।

७२
एक दिन चमकेगी किस्मत
ऐसा नंबर पाऊं
तुम्हारे लिये।

७३
बनावट बुनावट कोई नहीं
सच, सच बोला
तुम्हारे लिये।

७४
रोली अक्षत पुष्प सुगंधि
और एक गोला
तुम्हारे लिये।

७५
मैंने खुद ही पकाया
चावल संग छोला
तुम्हारे लिये।

७६
मन की सुनिए जरा
हृदय द्वार खोला
तुम्हारे लिये।

७७
बात कहने से पहले
शब्द शब्द तोला
तुम्हारे लिये।

७८
सुनो, हंस दो ज़रा
ये चूरन, टॉफी
तुम्हारे लिये।

७९
बैठो बतियाए दो पल
यूं मंगवाई कॉफी
तुम्हारे लिये।

८०
पढ़के दो शब्द लिखना
ये किताब छापी
तुम्हारे लिये।

८१
दीदार की आस में
कितनी दूरी नापी
तुम्हारे लिये।

८२
काम केवल इतना किया
ग़लतियां कई ढापी
तुम्हारे लिये।

८३
घर के सभी लोग
और ये मुहल्ला
तुम्हारे लिये।

८४
रैन दिवस सेवा में
हाज़िर ये निठल्ला
तुम्हारे लिये।

८५
इसको पहनकर देख लो
ये अंगूठी छल्ला
तुम्हारे लिये।

८६
इसको चूहे खाएं नहीं
लो संभालो गल्ला
तुम्हारे लिये।

८७
बहना भाई चाची ताई
लल्ली और लल्ला,
तुम्हारे लिये।

८८
मीठे शब्दों से भरी
मनभावन ये बातें
तुम्हारे लिये।

८९
ये नटखट से दिन
सुहानी ये रातें
तुम्हारे लिये।

९०
वो चंदा में बुढ़िया
दिखी सूत काते,
तुम्हारे लिये।

९१
कुछ किस्से पुराने फिर
सुनें और सुनाते
तुम्हारे लिये।

९२
तुम पर लिखी जो
वो ग़ज़ल गुनगुनाते
तुम्हारे लिये।

९३
हरी बेल तालाब की,
मीठे कच्चे सिंघाड़े,
तुम्हारे लिये।

९४
रेबड़ी, मूंगफलियां, तिल, ग़ज़क
ले आये जाड़े
तुम्हारे लिये।

९५
ठंड में किटकिटाते हुए
दांत रटते पहाड़े
तुम्हारे लिये।

९६
जीत ली कबड्डी फिर
झंडे नये गाड़े
तुम्हारे लिये।

९७
जीतते ही रहे बाज़ियां
हमने कितने पछाड़ें
तुम्हारे लिये।

९८
राह की बाधाएं हटी
हमने पत्थर उखाड़े
तुम्हारे लिये।

९९
इनका उपयोग किया करो
ये सारे सुविधा
तुम्हारे लिये।

१००
सब तुम्हारा, तुम्हारा ही
न कोई दुविधा
तुम्हारे लिये।

ओपन डोर

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार-पत्र

नियमित ग्राहक बनें

ओपन डोर

Title-Code-UPHIN49431/RNI-UPHIN/2021/79954/MSME-UDYAM-UP-17-0002703

समयावधि	रुपए डाक खर्च सहित	पीडीएफ/प्रिंट अंक	विशेषांक
वार्षिक	- १०००	४८	४
द्विवार्षिक	- १६००	९६	८
पंचवार्षिक	- ४५००	२४०	२०

रजि. पता- ए/7, आदर्श नगर, तातारपुर लालू, नजीबाबाद-246763 बिजनौर, उप्र संपादकीय कार्यालय- साईं एंक्लेव, निकट धनौरा देवता, नजीबाबाद-246763 बिजनौर, उप्र
Bank- INDIAN OVERSEAS BANK, Branch- NAJIBABAD AC- 368602000000245/ IFSC- IOBA0003686 PAN- AABAO7251R
Email- opendoornbd@gmail.com / Mob.- 9897742814

विज्ञापन दर निम्नवत है-

क्रम	विज्ञापन स्थान संपूर्ण पृष्ठ	मूल्य रुपए में	विज्ञापन स्थान आधा पृष्ठ	मूल्य रुपए	विज्ञापन स्थान चौथाई पृष्ठ	मूल्य रुपए
1	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	26,000.00	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	13,000.00	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	7,000.00
2	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	22,000.00	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	11,000.00	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	6,000.00
3	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	20,000.00	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	10,000.00	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	5,000.00
4	श्वेत श्याम पृष्ठ	10,000.00	श्वेत श्याम पृष्ठ	5,000.00	श्वेत श्याम पृष्ठ	2,500.00

https://www.youtube.com/@OPENDOORNews
https://opendoornews.in

नियमित ग्राहक बनें

शोधादर्श

SHODHADARSH
Bank
Indian Overseas Bank,
Branch-Najibabad
AC- 368602000000186
IFSC- IOBA0003686

RNI- UPHIN/2018/77444 ISSN 2582-1288

समयावधि	रुपए डाक खर्च सहित	पीडीएफ/प्रिंट अंक	विशेषांक
वार्षिक	- १०००	४	१
द्विवार्षिक	- १६००	८	२
पंचवार्षिक	- ४५००	२०	५

रजिस्टर्ड पता- ए/7, आदर्श नगर, तातारपुर लालू, नजीबाबाद-246763 बिजनौर, उप्र
संपादकीय कार्यालय- साईं एंक्लेव, निकट धनौरा देवता, नजीबाबाद-246763 बिजनौर, उप्र
Email- shodhadarsh2018@gmail.com Mob.- 9897742814

शोधादर्श में प्रकाशित विज्ञापन रेट

क्रम	विज्ञापन स्थान संपूर्ण पृष्ठ	मूल्य रुपए में	विज्ञापन स्थान आधा पृष्ठ	मूल्य रुपए	विज्ञापन स्थान चौथाई पृष्ठ	मूल्य रुपए
1	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	26,000.00	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	13,000.00	कवर पृष्ठ अंतिम (रंगीन)	7,000.00
2	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	22,000.00	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	11,000.00	कवर पृष्ठ २ या ३ (रंगीन)	6,000.00
3	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	20,000.00	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	10,000.00	आन्तरिक पृष्ठ (रंगीन)	5,000.00
4	श्वेत श्याम पृष्ठ	10,000.00	श्वेत श्याम पृष्ठ	5,000.00	श्वेत श्याम पृष्ठ	2,500.00

https://www.shodhadarsh.page

खुले दिमाग़ के खुले विचार

ओपन डोर

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार-पत्र